दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-35 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शुक्रवार 13 मार्च 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने संभाला आसन, बोले- मैंने सदन की गरिमा और मर्यादा बढ़ाने का किया प्रयास

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव के खारिज होने के बाद स्पीकर ओम बिरला ने गुरुवार को अपना आसन संभाला। उन्होंने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि मेरा हमेशा प्रयास रहता है कि सदन की गरिमा, मर्यादा और प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रही। लोकसभा स्पीकर ने कहा, मैंने हमेशा प्रयास किया कि सदन के अंदर हर सदस्य नियमों और प्रक्रिया के तहत विषय व मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त करे। सभी सदस्यों को पर्याप्त अवसर देने का प्रयास किया गया। ये सदन समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की आवाज बने, ऐसा मैंने प्रयास किया। मैंने हमेशा प्रयास किया कि सदस्यों को सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करूं, जो संकोच करते हैं या बिल्कुल नहीं बोलते हैं। मैंने अपने दोनों कार्यकाल में समय-समय पर, जिस पर सदस्य ने विचार नहीं किया, मैंने चैंबर में बुलाकर आग्रह किया कि वे सदन में अपनी बात रखें। क्योंकि सदन में बोलने से लोकतंत्र का संकल्प मजबूत होता है और सरकार की जवाबदेही भी तय होती है। उन्होंने कहा, यह सदन विचारों व चर्चा का जीवंत मंच रहा है। हमारे संसदीय लोकतंत्र में सहमति और असहमति की महान परंपरा हमेशा से रही है। जब संविधान निर्माताओं

ने स्वतंत्र भारत के लिए संविधान का निर्माण किया, तब गहन विमर्श और अनुभव के आधार पर संसदीय लोकतंत्र की व्यवस्था को अपनाया। आज दुनिया के अंदर संसदीय लोकतंत्र की व्यवस्था ही शासन चलाने की सर्वश्रेष्ठ पद्धति है। इस व्यवस्था में संसद सिर्फ कानून बनाने का मंच न होकर, राष्ट्र की लोकतांत्रिक चेतना का केंद्र बिंदु भी है।स्पीकर ओम बिरला ने आगे कहा कि संविधान के आर्टिकल 93 में अध्यक्ष के निर्वाचन का प्रावधान है। मुझे इस सदन ने दूसरी बार अध्यक्ष पद का दायित्व और अवसर दिया। मैंने हमेशा प्रयास किया कि सदन की कार्यवाही निष्पक्षता, अनुशासन, संतुलन और नियमों के साथ संचालित हो। सभी को साथ लेकर सामंजस्य व्यवस्था और कार्यकुशलता बनाए रखने के लिए मैंने दायित्व को निभाया।अविश्वास प्रस्ताव पर उन्होंने कहा, मंगलवार को विपक्ष के कुछ सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया। हमारे संविधान की ओर से स्थापित संसदीय लोकतंत्र की व्यवस्था में मेरा हमेशा अटूट विश्वास रहा है। मैंने नैतिक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए अविश्वास प्रस्ताव के दौरान सदन की कार्यवाही से अपने आप को अलग किया। पिछले दो दिनों में सदन ने लोकतंत्र की महत्वपूर्ण प्रणाली को पूरा किया। इस चर्चा के दौरान अनेक विचार, दृष्टिकोण और भावनाएं सदन के सामने रखी गईं। मैंने हर सदस्य की बात को गंभीरता और ध्यान से सुना। सभी सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।अपने संबोधन में स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि स्वतंत्र भारत के संसदीय इतिहास में तीसरी बार लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर सदन में दो दिन सदस्यों ने चर्चा की।

व्यावसायिक जहाजों को निशाना बनाना उचित नहीं, होर्मुज हमले पर भारत ने उठाई आवाज

नई दिल्ली (आरएनएस)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। भारत के विदेश मंत्रालय ने 11 मार्च को होर्मुज जलडमरूमध्य में थाई जहाज मयूरी नारे पर हुए हमले की खबरों पर गहरी चिंता जताई है। मंत्रालय ने कहा कि बुधवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में थाई जहाज मयूरी नारे पर हुए हमले की खबरों की जानकारी मिली है। यह जहाज भारत के कांडला बंदरगाह के लिए जा रहा था। मंत्रालय ने इस बात पर गहरी चिंता जताई है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के दौरान व्यावसायिक जहाजों को सैन्य हमलों का निशाना बनाया जा रहा है।

नई दिल्ली। एनसीपी (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले, डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि, समाजवादी पार्टी सांसद धर्मेंद्र यादव और अन्य लोगों ने नई दिल्ली में बजट सेशन के दूसरे हिस्से के दौरान एलपीजी की कमी को लेकर पार्लियामेंट परिसर में विरोध प्रदर्शन किया।

ओबीसी क्रीमी लेयर पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, सिर्फ सैलरी के आधार पर नहीं होगा निर्धारण

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी के नॉन-क्रीमी लेयर (एनसीएल) के निर्धारण में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। 11 मार्च को कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि क्रीमी लेयर का फैसला सिर्फ माता-पिता की सैलरी या आय पर आधारित नहीं किया जा सकता, बल्कि 1993 के मूल दिशानिर्देशों के अनुसार पद की स्थिति और अन्य फैक्टर्स को भी ध्यान में रखना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर माता-पिता सरकारी नौकरी में ग्रुप सी या ग्रुप डी (क्लास III या IV) में हैं, तो उनकी सैलरी को क्रीमी लेयर तय करने के लिए नहीं जोड़ा जाएगा। साथ ही कृषि से होने वाली आय को भी पूरी तरह बाहर रखा जाएगा। क्रीमी लेयर तय करने के लिए केवल 'अन्य स्रोतों' (जैसे बिजनेस, प्रॉपर्टी, किराया आदि) से परिवार की कुल आय तीन लगातार वर्षों में औसतन 8 लाख रुपए प्रति वर्ष से कम होनी चाहिए।इस फैसले में कोर्ट ने 2004 के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के उस पत्र के पैरा 9 को अमान्य घोषित कर दिया है, जिसमें बैंक, प्राइवेट सेक्टर या पीएसयू कर्मचारियों की सैलरी को क्रीमी लेयर में शामिल करने की बात कही गई थी।

बीएसएफ-पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन में सीमा पार से आई 2किलो हेरोइन बरामद, कीमत 12 करोड़ रुपए

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान की एक और नापाक साजिश को सुरक्षा बलों ने नाकाम कर दिया है। सीमा सुरक्षा बल (BSF) और जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक संयुक्त तलाशी अभियान (Joint Operation) के दौरान नशे की एक बड़ी खेप बरामद की गई है। ड्रोन के जरिए गिराई गई इस हेरोइन का वजन करीब 2 किलोग्राम बताया जा रहा है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 12 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, सीमा पर संदिग्ध ड्रोन गतिविधि की सूचना मिलने के बाद BSF और स्थानीय पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाला। इलाके की घेराबंदी कर रात भर सघन तलाशी अभियान चलाया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे 1.25 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1836 करोड़ रुपये की राशि अंतरित

ग्वालियर के शबरी माता मंदिर घाटीगाँव में होगा लाड़ली बहना सम्मेलन

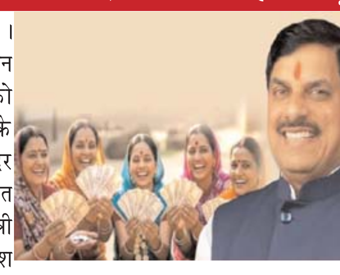

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को ग्वालियर जिले के शबरी माता मंदिर घाटीगाँव में आयोजित सम्मेलन में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख से अधिक बहनों के बैंक खातों में 1836 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण करेंगे। यह राशि योजना की 34वीं किश्त के रूप में बहनों को प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसी क्रम में योजना के अंतर्गत नवंबर माह से मासिक सहायता में 250 रुपये की वृद्धि की गई है, जिससे अब पात्र हितग्राही बहनों को प्रतिमाह 1,500 रुपये की आर्थिक सहायता मिल रही है। प्रदेश में जून 2023 से प्रारंभ हुई यह योजना महिलाओं के जीवन में आर्थिक आत्मविश्वास और सामाजिक सम्मान का नया आधार बनी है। जून 2023 से फरवरी 2026 तक योजना के तहत 33 किश्तों का नियमित अंतरण किया जा चुका है।

इस अवधि में 54,140 करोड़ रुपये की राशि बहनों के खातों में सीधे अंतरित की गई है।प्रदेश सरकार अब योजना से जुड़ी महिलाओं को केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं रखेगी।

राघव चड्ढा द्वारा संसद में मुद्दा उठाए जाने के बाद दूध में मिलावट पर देशभर में सख्ती, अब लाइसेंस होगा जरूरी

नई दिल्ली(आरएनएस)। देश में दूध में मिलावट की घटनाओं को रोकने को लिए एफएसएसएआई ने गुरुवार को बड़ा कदम उठाया और दूध उत्पादन और बिक्री के लिए लाइसेंस को अनिवार्य बना दिया।सरकारी एजेंसी ने बयान जारी कर कहा कि सभी दूध उत्पादकों तथा दूध विक्रेताओं को (डेयरी सहकारी समितियों के सदस्यों को अलावा) अपने खाद्य व्यवसाय के संचालन से पहले एफएसएसएआई के साथ अनिवार्य रूप से पंजीकरण या लाइसेंस प्राप्त करना होगा।बयान ने आगे कहा गया कि इसका उद्देश्य दूध में मिलावट की घटनाओं को रोकना, खाद्य सुरक्षा अनुपालन को मजबूत करना तथा सुरक्षित भंडारण और स्वच्छ आपूर्ति सुनिश्चित कर जनस्वास्थ्य की रक्षा करना है। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को इस संबंध में विशेष पंजीकरण अभियान और प्रवर्तन जांच करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

लाइबेरिया के झंडे वाला क्रूड ऑयल टैंकर शेनलॉन्ग स्वेजमैक्स, जो रास तनुरा पोर्ट से सऊदी क्रूड लेकर आ रहा है, मुंबई में होर्मुज स्ट्रेट से होते हुए मुंबई पोर्ट पर पहुंचा।

ईरान के नए सुप्रीम लीडर का पहला बयान- हर मौत का बदला लेगा ईरान, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज भी बंद रखेंगे

नई दिल्ली(ए.)। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई का पहला संदेश गुरुवार को सरकारी टेलीविजन पर पढ़कर सुनाया गया। इस संदेश में उनके तल्ख तेवर साफ दिखे। इसमें स्पष्ट कहा गया है कि अमेरिकी हवाई अड्डों पर हमला ईरान नहीं बंद करेगा, वहीं पड़ोसी देशों के साथ मित्रता भी बनाए रखेगा। अपनी सेना की हिम्मत को सलाम करते हुए, उन्होंने ईरान से कहा कि देश शहीदों के खून का बदला जरूर लेगा। अपनी सेना की हिम्मत की प्रशंसा करते हुए खामेनेई ने कहा, देश की मिलिट्री का शुक्रिया जिसने ईरान को बंटने से रोका और जंग जैसे हालात के बीच किसी को खुद पर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने कहा, मैं उन बहादुर लड़ाकों को धन्यवाद देना चाहता हूं जो ऐसे समय में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं जब हमारा देश दबाव में है और उस पर हमला हो रहा है। उन्होंने कहा कि ईरान जवाबी हमला जारी रखेगा। मोजतबा ने पड़ोसी देशों से रिश्ता बेहतर करने पर भी बल दिया। कहा, हमें अपने पड़ोसियों से संबंध बेहतर करने होंगे। नए ईरानी सुप्रीम लीडर ने दावा किया कि यमन और इराक के हथियारबंद लड़ाके भी उनकी मदद को तैयार हैं। खामेनेई ने कहा कि यमन भी हमारे साथ है और इराक में हथियारबंद ग्रुप भी इस्लामिक क्रांति में मदद करने को तैयार हैं।

खेल-खेल में बच्चों ने डाला पानी, तो सनके युवक ने 5 मासूमों पर उड़ेल दिया खौलता तेल; रूह कंपा देगी यह वारदात

उन्नाव (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले से एक बेहद दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक तेरहवीं के कार्यक्रम के दौरान

हुई मामूली सी बात पर एक युवक ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं। खेल रहे बच्चों द्वारा गलती से पानी डाल दिए जाने पर इस शख्स ने गुस्से में अपना आपा इस कदर खोया कि पांच मासूम बच्चों पर खौलता हुआ तेल उड़ेल दिया। इस अमानवीय और दर्दनाक घटना के बाद पूरे गांव में चीख-पुकार मच गई। गंभीर रूप से झुलसे सभी बच्चों को तुरंत लखनऊ के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जिनमें से दो की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।

तेरहवीं के भोज में मची चीख-पुकार, बाल्टी से फेंका खौलता तेल

यह रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला औरास थाना क्षेत्र के हसनपुर द्रगपालखेड़ा गांव का है। जानकारी के अनुसार, गांव के करीब 100 वर्षीय बुजुर्ग हीरालाल के निधन के बाद मंगलवार रात उनके घर पर तेरहवीं का कार्यक्रम चल रहा था।

शिव भक्तों के लिए बड़ी खुशखबरी! इस दिन से शुरू हो रही है आदि कैलाश यात्रा, जाने से पहले जान लें ये जरूरी नियम

देहरादून(आरएनएस)। उत्तराखंड में भगवान शिव के पवित्र धाम आदि कैलाश की यात्रा का बेसब्री से इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। अगर मौसम ने पूरा साथ दिया, तो 1 मई से इस साल की आदि कैलाश यात्रा का भव्य आगाज हो जाएगा। प्रशासन की

तैयारियों के मुताबिक, अप्रैल के आखिरी सप्ताह से ही यात्रा के लिए जरूरी 'इनर लाइन परमिट' जारी करने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। पिछले साल इस पवित्र यात्रा में 30 हजार से ज्यादा शिव भक्तों ने नतमस्तक होकर आशीर्वाद लिया था, और इस बार श्रद्धालुओं की इस संख्या में भारी इजाफा होने की उम्मीद जताई जा रही है।आदि कैलाश उत्तराखंड के सीमांत जिले पिथौरागढ़ के धारचूला क्षेत्र में स्थित बेहद खूबसूरत और दुर्गम व्यास घाटी में मौजूद है। अत्यधिक ऊंचाई वाले इस इलाके में नवंबर से लेकर मार्च तक भारी बर्फबारी होती है, जिसके चलते सुरक्षा कारणों से इस यात्रा को सर्दियों के मौसम में पूरी तरह से रोक दिया जाता है।

अब बर्फ पिघलने के साथ ही प्रशासन ने एक बार फिर से इस कठिन लेकिन आस्था से भरी यात्रा को शुरू करने की पूरी योजना बना ली है।सुरक्षा के लिहाज से आदि कैलाश की यात्रा बेहद संवेदनशील मानी जाती है। व्यास घाटी में छियालेख से आगे की यात्रा करने के लिए हर एक श्रद्धालु को 'इनर लाइन परमिट' लेना अनिवार्य होता है। इसके बिना किसी को भी आगे जाने की अनुमति नहीं होती।

जम्मू-कश्मीर : फारूक अब्दुल्ला पर फायरिंग, सीएम बोले- अल्लाह मेहरबान, बाल-बाल बच गए पिता

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू कश्मीर में एक कार्यक्रम के दौरान फायरिंग की घटना सामने आई है। इस कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला भी मौजूद थे।

बताया जा रहा है कि जम्मू कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी और फारूक अब्दुल्ला एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे थे, जहां फायरिंग की घटना हुई। हालांकि दोनों सुरक्षित हैं। फायरिंग करने के आरोप में एक शख्स को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस शख्स से पूछताछ कर रही है और इस मामले की जांच कर रही है।जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री और फारूक अब्दुल्ला के बेटे उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि अल्लाह मेहरबान हैं। मेरे पिता बाल-बाल बच गए। फिलहाल पूरी जानकारी अधूरी है, लेकिन इतना पता चला है कि एक व्यक्ति भरी हुई पिस्तौल लेकर बिल्कुल करीब आ गया और गोली चला दी।उन्होंने आगे लिखा कि सुरक्षा दल ने ही आरोपी को रोककर हत्या के प्रयास को नाकाम कर दिया। उमर अब्दुल्ला ने सवाल उठाया कि कोई व्यक्ति राष्ट्रीय सुरक्षा बल (एनएसजी) द्वारा सुरक्षित पूर्व मुख्यमंत्री के इतने करीब कैसे पहुंच गया नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मैंने डॉ. फारूक अब्दुल्ला साहब, उपमुख्यमंत्री सुरिंदर और नासिर असलम वानी से बात की है। वे सुरक्षित और स्वस्थ हैं।गोलीबारी की घटना के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के आवास पर कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पहुंचे।

संभाग मुख्यालय की जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए बढ़ाई जाएं गैस एजेंसियां

मुख्यालय पर तीन नए पेट्रोल पंप भी होने चाहिए स्वीकृत

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। संभाग मुख्यालय पर बीते कई वर्षों से तीन ही रसोई गैस एजेंसियां है। जब तीन गैस एजेंसियां सक्रिय रूप से शुरू हुई उस समय से लेकर अब तक जनसंख्या करीब दो गुनी हो चुकी है। तब ऐसी स्थिति में गैस एजेंसी की संख्या तीन गुना अधिक किया जाना आवश्यक है।

हो चुका है शहर का विस्तार

पुराने समय से ही मात्र तीन गैस एजेंसियां संचालित हो रही हैं। शहर का तीनों तरफ दूर दूर तक काफी विस्तार हो चुका है। दर्जनों नई नई कालोनियां बन चुकी हैं। लगातार बनती ही जा रही हैं। तब ऐसी स्थिति में जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए मुख्यालय पर विभिन्न दिशाओं में कम से कम 9 एजेंसियां होनी चाहिए।

पेट्रोल पंप की कमी

मुख्यालय पर पहले शहर में ही चार पेट्रोल पंप हुआ करते थे। दो पेट्रोल पंप बंद हो चुके हैं। जिसमें एक पुराने बस स्टेंड के पास उद्यानिकी विभाग कार्यालय के पास तथा दूसरा रसूलिया का

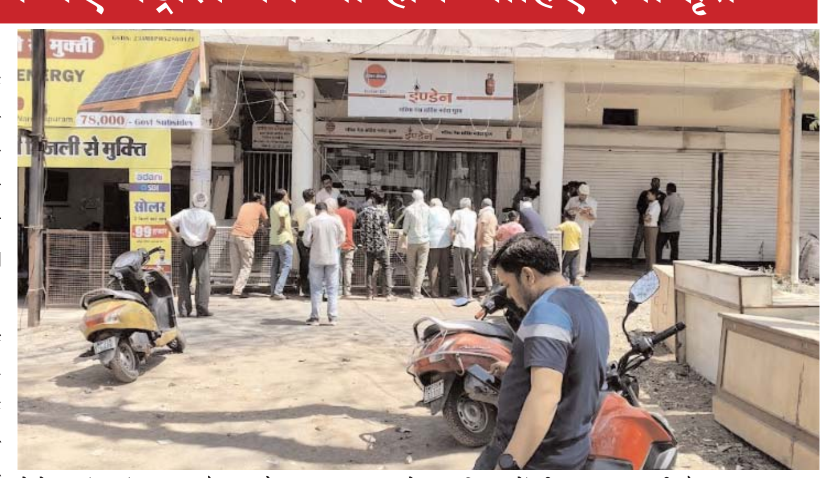

पेट्रोल पंप बंद हुआ है। उनके स्थान पर दूसरे पेट्रोल पंप लगने चाहिए। जिसमें सतरस्ता का पेट्रोल पंप का स्थान उचित नहीं है। खतरे से खाली नहीं है। यहां जगह भी पेट्रोल पंप के हिसाब से ठीक नहीं है। नर्मदा महाविद्यालय के पास लोकनिर्माण विभाग के क्वाटरों के बीच में तथा अजाक्स कार्यालय के बाजू में रिक्त स्थान पर एक पेट्रोल पंप शुरू हो सकता है। दूसरा पेट्रोल पंप रसूलिया में ही खुलना जरूरी है।

प्रशासन को करनी चाहिए पहल

पेट्रोल पंप और रसोई गैस एजेंसी की संख्या बढ़ाने के लिए कमिश्नर तथा कलेक्टर को पहल करनी चाहिए। जिससे शहर के बेरोजगारों को भी लाभ मिल सकेगा। नागरिकों को सुविधा मिलेगी। जनप्रतिनिधियों को भी इस संबंध में ध्यान देना चाहिए।

सरसों की खरीदी के लिये भावांतर भुगतान योजना को मिली केन्द्र से स्वीकृति : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल्ली में केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान से की मुलाकात

भोपाल, (निप्र.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सतत् प्रयासों का परिणाम है कि मध्यप्रदेश के किसानों को केंद्र सरकार से बड़ी राहत और कई महत्वपूर्ण मंजूरियां मिली हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर राज्य के किसानों और ग्रामीण विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस उच्च स्तरीय चर्चा में ग्रामीण सड़कों सहित अनेक विषयों पर मध्यप्रदेश को बड़ी राहत देने वाले निर्णय लिये गये।

सरसों किसानों को मिलेगा भावांतर भुगतान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आग्रह पर सरसों की खरीद से जुड़े मुद्दों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने भावांतर भुगतान योजना के तहत मध्यप्रदेश के प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए संबंधित विभागों को भुगतान प्रक्रिया तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। इससे राज्य के सरसों उत्पादक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा।

तुअर की शत-प्रतिशत खरीद का मार्ग प्रशस्त

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को तुअर (अरहर) की शत-प्रतिशत सरकारी खरीद का स्वीकृति-पत्र भी सौंपा। इस निर्णय से मध्यप्रदेश के तुअर उत्पादक किसानों की उपज का पूर्ण सरकारी उपार्जन सुनिश्चित होगा, जिससे उन्हें बाजार में भाव गिरने का जोखिम नहीं उठाना पड़ेगा और आय में स्थिरता आयेगी।

दलहन-तिलहन उत्पादन बढ़ाने की दिशा में पहल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश को दलहन और तिलहन उत्पादन का अग्रणी केंद्र बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस पर केंद्र और राज्य की संयुक्त टीम द्वारा मूंग, उड़द, चना, तिल, सरसों और पाम ऑयल जैसी फसलों के लिए दीर्घकालिक रणनीति तैयार करने पर सहमति बनी।

फसल बीमा में किसानों के हितों की सुरक्षा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में किसानों के हितों की बेहतर सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि सोयाबीन जैसी फसलों के आंकलन में केवल सैटेलाइट डेटा के बजाय क्रॉप कटिंग और रिमोट सेंसिंग तरीकों का उपयोग किया जाए, जिससे किसानों को वास्तविक नुकसान के आधार पर मुआवजा मिल सके।

कृषि से जुड़े मुद्दों और योजनाओं की हुई समीक्षा

बैठक में मध्यप्रदेश के लिए सरसों और सोयाबीन के भावांतर भुगतान, दलहन मिशन के तहत मूंग-उड़द के अतिरिक्त लक्ष्य, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता कार्यक्रम, मनरेगा मजदूरी और सामग्री भुगतान, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से जुड़े मुद्दों पर बिंदुवार चर्चा की गई। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मध्यप्रदेश से जुड़े लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता से निपटाया जाए, जिससे राज्य के किसानों, मजदूरों और ग्रामीण गरीबों को शीघ्र राहत मिल सके।

महिला सशक्तिकरण और शहरी विकास के संगम का साक्षी बनेगा भारत मंडपम : आयुक्त श्री भोंडवे

भोपाल (निप्र.)। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने बताया कि विभाग द्वारा शहरी महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान में राज्य के 55 नगरीय निकायों में 312 स्व-सहायता समूहों की 1,028 महिलाओं को अमृत मित्र के रूप में जल गुणवत्ता परीक्षण जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये समूह सार्वजनिक उद्यानों के रख-रखाव और केंद्र सरकार के वुमन फॉर ट्रीज़ कार्यक्रम के तहत पौधरोपण एवं उनकी सुरक्षा का दायित्व का भी सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। अमृत मित्र महोत्सव में मध्यप्रदेश की लगभग 300 महिलाएँ उत्साहपूर्वक भाग लेंगी। इस महोत्सव में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र और राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों की अमृत मित्र महिलाएँ भी सम्मिलित हो रही हैं। भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा अमृत 2.0 के अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं के अतुलनीय योगदान को रेखांकित करने के लिये शुक्रवार 13 मार्च को नई दिल्ली के प्रतिष्ठित भारत मंडपम में अमृत मित्र महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

राजधानी में गैस सिलेंडर को लेकर मचा हाहाकार

– कॉग्रेस ने गैस एजेंसी पर किया विरोध प्रदर्शन

भोपाल(ए.)। इन दिनो देश सहित राजधानी भोपाल में भी घरेलू गैस सिलेंडरो को लेकर काफी मारामारी चल रही है। जहॉ गरीब परिवारो को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं भोपाल शहर की कई गैस एजेंसियों ने बुकिंग लेना ही बंद कर दिया और ताले लगा दिये है। जिससे आम लोगो की परेशानी बढ़ गई है। यह आरोप लगाते हुए कॉग्रेस नेता मो. शावर ने परेशान परिवारो की समस्या का समाधान करने के लिये प्रदीप गैस एजेंसी के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। मो शावर ने कहा की रोज कमाकर खाने वाले गरीब परिवारो को सिलेंडर के लिए 25 दिन का समय दिया जा रहा है, उनके बाद सिलेंडर दिया जाएगा जिससे लोगों में भारी आक्रोश है। उन्होनें मांग की है की आम जनता और लाड़ली बहनों को दिए जाने वाले सिलेंडर के लिए सरकार तत्काल व्यवस्था करें जिससे आम लोग और ग़रीब परिवारों को राहत मिल सके। इस दौरान गुस्साये कार्यकर्ताओ ने मोदी है तो मुमकिन है और जनता त्रस्त..सरकार मस्त जैसे नारे भी लगाये। प्रदर्शन में कांग्रेस नेता मो शावर, मुज़ाहिद सिदिक्की, आसिफ़ अली ज़ैनुल ख़ान, अंकित साहू, सेफ़ कुरैशी, दिलीप शिवारे, मनोज मिश्रा, रफीक ख़ान, राशिद ख़ान, नज़ीर ख़ान आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ओरिएंटल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस में बालिका सुरक्षा एवं सायबर क्राइम अवेयरनेस आधारित विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का किया आयोजन

भोपाल, (निप्र.)। संभागीय संयुक्त संचालक, महिला एवं बाल विकास विभाग, भोपाल संभाग, भोपाल एवं ओरिएंटल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल के डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग (AIML) द्वारा बालिका सुरक्षा एवं सायबर क्राइम अवेयरनेस विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन गुरूवार को ओरिएंटल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल में किया। कार्यक्रम में संस्थान के विद्यार्थियों को वरुण कपूर,आईपीएस, डायरेक्टर जनरल जेल, मध्यप्रदेश पुलिस, भोपाल द्वारा वर्तमान समय के दृष्टिगत सायबर क्राइम अवेयरनेस पर व्याख्यान प्रदान किया गया। श्री कपूर ने अत्यंत रोचक एवं संवादात्मक शैली में विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से सहभागी बनाते हुए सायबर अपराधों के प्रकार,उनसे बचाव के उपाय तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म का सुरक्षित उपयोग करने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को ऑनलाइन गतिविधियों के दौरान सतर्क और जागरूक रहने का संदेश भी दिया। इस अवसर पर संयुक्त संचालक श्रीमती नकी जहाँ कुरैशी, महिला एवं बाल विकास विभाग,भोपाल संभाग, परियोजना अधिकारी मृदुल मालवीय, धर्मेन्द्र अग्रवाल एवं श्रीमती अर्चना बाजपेई सहित विभाग के समस्त सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

अप्रैल माह में पैक्स से 10 लाख किसानों को जोड़ने के लिए चलाया जाएगा वृहद सदस्यता अभियान

पैक्स एवं विपणन सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण के लिये कमेटी गठन के दिए निर्देश

भोपाल, (निप्र.)। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर विभाग की वर्तमान गतिविधियों एवं आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि प्रदेश में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) और विपणन सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण के लिए एक विशेष कमेटी गठित की जाए। यह कमेटी सहकारी संस्थाओं की वर्तमान स्थिति का अध्ययन कर उनके संचालन, संरचना और कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के संबंध में सुझाव देगी तथा 15 दिनों के भीतर अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2026 को कृषि कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, ऐसे में सहकारिता क्षेत्र की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कृषि वर्ष को ध्यान में रखते हुए सहकारिता संस्थाओं को मजबूत बनाने के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि किसानों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके।मंत्री श्री सारंग ने कहा कि पैक्स को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत इकाई के रूप में विकसित करना आवश्यक है।

इसके लिए पैक्स की सदस्यता बढ़ाने के उद्देश्य से अप्रैल माह में प्रदेशभर में वृहद सदस्यता अभियान चलाया जाए। इसके तहत लगभग 10 लाख किसानों को सहकारिता से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया जाए।

प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं घरेलू एलपीजी सिलेंडर : खाद्य मंत्री श्री राजपूत

भोपाल, (निप्र.) खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि प्रदेश में घरेलू एलपीजी सिलेंडर, पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, पीएनजी की सुचारू रूप से वितरण हो रहा है। इनकी पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता है एवं लगातार आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा ने बताया है कि वाणिज्यिक एलपीजी गैस उपयोग के लिए शैक्षणिक संस्थान एवं चिकित्सकीय संस्थान को छूट दी गई है, जो जारी रहेगी, जिससे शैक्षणिक गतिविधि एवं चिकित्सकीय व्यवस्था निर्बाध रूप से जारी रह सके।एलपीजी की जमाखोरी एवं कालाबाजारी रोकने के लिए जिलों को निर्देश दिये गये हैं। जिलों द्वारा इस क्षेत्र में लगातार कार्यवाही की जा रही है।एलपीजी के वैकल्पिक साधनों के उपयोग पर जोर दिया जा रहा है। साथ ही ऐसी गतिविधियों, जिनमें एलपीजी का अधिक उपयोग होता है, उन्हें नियंत्रित करने पर भी जोर दिया गया है।

जवाहर चौक पर 5 दुकानों के छज्जे गिरे, मेट्रो निर्माण पर उठे सवाल; विधायक-पार्षद मौके पर पहुंचे

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के जवाहर चौक इलाके में गुरुवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अचानक एक के बाद एक 5 दुकानों के छज्जे भरभराकर गिर गए। हादसा होते ही दुकानों में मौजूद लोग घबराकर बाहर भागे और आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया।घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय विधायक भगवान दास सबनानी और पार्षद जगदीश यादव मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जहां यह हादसा हुआ है उससे कुछ ही दूरी पर मुख्य सड़क पर मेट्रो परियोजना का निर्माण कार्य चल रहा है। स्थानीय दुकानदारों का आरोप है कि निर्माण कार्य के दौरान हुई कंपन या खुदाई के कारण यह हादसा हुआ हो सकता है।जानकारी के अनुसार, जिन दुकानों के छज्जे गिरे हैं उनमें दो फोटो फ्रेम की दुकानें, एक ऑटोमोबाइल की दुकान, एक कपड़े की दुकान और एक स्पोर्ट्स आइटम की दुकान शामिल हैं। दुकानदारों का कहना है कि ये दुकानें नगर निगम की करीब 40 साल पुरानी हैं। उनका आरोप है कि पास में चल रहे मेट्रो निर्माण कार्य के कारण इमारत की संरचना कमजोर हुई, जिससे छज्जे अचानक धंस गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने नाराजगी जताते हुए मेट्रो निर्माण कार्य की जांच कराने और सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने की मांग की है।

भोपाल में ट्रेन हादसे की मॉक ड्रिल, कोच एक-दूसरे पर चढ़े, दरवाजे-छत काटकर यात्रियों को निकाला

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के पास स्थित सूखी सेवनिया रेलवे स्टेशन पर गुरुवार सुबह ट्रेन दुर्घटना की मॉक ड्रिल की गई। ड्रिल के दौरान ऐसा दृश्य तैयार किया गया मानो वास्तविक रेल हादसा हो गया हो। कोच एक-दूसरे के ऊपर चढ़े हुए दिखाए गए और कई यात्री अंदर फंसे हुए थे।सुबह करीब 11 बजे रेलवे अधिकारियों को सूचना दी गई कि स्टेशन के पास एक ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हो गई है और कई यात्री घायल हैं। सूचना मिलते ही स्टेशन मास्टर ने रेलवे कंट्रोल रूम को अलर्ट किया और तुरंत राहत-बचाव अभियान शुरू किया गया। कुछ ही मिनटों में रेलवे की टीमें मौके पर पहुंच गईं और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के साथ संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। एम्बुलेंस और मेडिकल टीम को भी तत्काल बुलाया गया।ड्रिल में दिखाया गया कि दुर्घटना के बाद कई यात्री बोगियों में फंस गए हैं। रेस्क्यू टीम ने खिड़कियों के शीशे तोड़कर, दरवाजों और छत को गैस कटर से काटकर अंदर फंसे यात्रियों तक पहुंच बनाई। सीढ़ियों और विशेष उपकरणों की मदद से घायलों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर लाया गया।कुछ यात्री बोगियों के नीचे फंसे दिखाए गए। ऐसे यात्रियों को एयरबैग तकनीक की मदद से कोच को थोड़ा ऊपर उठाकर सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके बाद रेलवे मेडिकल टीम ने मौके पर ही घायलों को प्राथमिक उपचार दिया और एम्बुलेंस के जरिए अस्पताल भेजने की प्रक्रिया का अभ्यास किया गया।

अधिकारियों ने परखी आपदा से निपटने की तैयारी

इस मॉक ड्रिल के दौरान भोपाल मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी भी मौके पर मौजूद रहे। उन्होंने राहत-बचाव टीमों की तैयारियों का जायजा लिया और आपात स्थिति में तेजी से समन्वय और बचाव कार्य करने की क्षमता का आकलन किया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस तरह की मॉक ड्रिल का उद्देश्य संभावित रेल दुर्घटना की स्थिति में राहत और बचाव कार्य को और अधिक प्रभावी बनाना है, ताकि किसी वास्तविक हादसे के समय यात्रियों की जान बचाने में देरी न हो।

एलएलबी फर्स्ट ईयर की छात्रा ने फांसी लगाकर किया सुसाइड

– पढ़ाई में मन नहीं लगने की बात आई सामने, एक महीने से नहीं जा रही थी कॉलेज

भोपाल (ए.)। राजधानी भोपाल के अयोध्या नगर थाना इलाके में रहने वाली एलएलबी फर्स्ट ईयर की छात्रा ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मौके से कोई सुसाइड नोट या अन्य सुराग नहीं मिलने से फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जॉच शुरु कर दी है। घटना बुधवार की देर रात की बताई जा रही है, शुरुआती जॉच में छात्रा के पढ़ाई में मन नहीं लगने की बात सामने आई है।थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अयोध्या नगर थाने के नजदीक स्थित कॉलोनी में रहने वाली अंकिता थापा पिता शिवा थापा (17) एलएलबी फर्स्ट ईयर की छात्रा थी। उसकी एक जुड़वा बहन के अलावा एक छोटा भाई है। अंकिता बीते करीब एक महीने से कॉलेज नहीं जा रही थी। पूछने पर वह परिजनों से अकसर पढ़ाई में मन नहीं लगने की बात कहती थी। पुलिस को परिवार वालो ने बताया की अंकिता ने पढ़ाई की बात के अलावा किसी अन्य परेशानी का जिक्र नहीं किया था। बुधवार रात उसने अपने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। देर रात नींद खुलने पर परिजनों को हादसे की जानकारी लगी इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस का कहना है कि फिलहाल घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट या अन्य सुराग नहीं मिला है, आगे की जॉच में उसके मोबाइल की छानबीन के साथ ही परिजनो के डिटेल बयान दर्ज किये जायेगें।

भोपाल के एमपी नगर में ज्योति कॉम्प्लेक्स की 150 दुकानों में घुसा गंदा पानी, देर रात तक सुधारी सीवेज लाइन

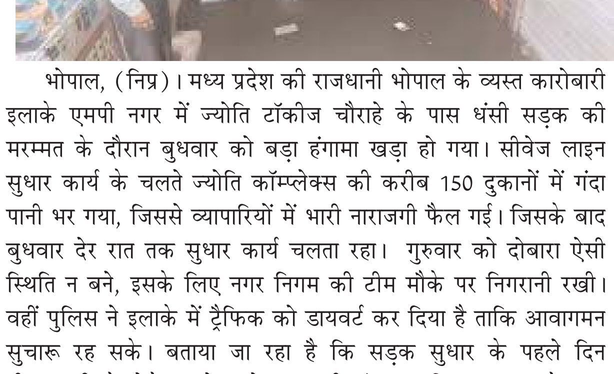

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के व्यस्त कारोबारी इलाके एमपी नगर में ज्योति टॉकीज चौराहे के पास धंसी सड़क की मरम्मत के दौरान बुधवार को बड़ा हंगामा खड़ा हो गया। सीवेज लाइन सुधार कार्य के चलते ज्योति कॉम्प्लेक्स की करीब 150 दुकानों में गंदा पानी भर गया, जिससे व्यापारियों में भारी नाराजगी फैल गई। जिसके बाद बुधवार देर रात तक सुधार कार्य चलता रहा। गुरुवार को दोबारा ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए नगर निगम की टीम मौके पर निगरानी रखी। वहीं पुलिस ने इलाके में ट्रैफिक को डायवर्ट कर दिया है ताकि आवागमन सुचारू रह सके। बताया जा रहा है कि सड़क सुधार के पहले दिन पीडब्ल्यूडी के ठेकेदार ने नाले का पानी बंद कर दिया था। इसके बाद सीवेज लाइन का दबाव बढ़ गया और कुछ ही देर में गंदा पानी बेसमेंट और दुकानों में भरने लगा। ज्योति कॉम्प्लेक्स में कई मोबाइल शॉप और अन्य दुकानें बेसमेंट में स्थित हैं, जहां बदबू और तेजी से भरते पानी के कारण दुकानदारों को बाहर निकलना पड़ा। दुकानों में पानी भरने से नाराज व्यापारियों ने ज्योति टॉकीज से बोर्ड ऑफिस जाने वाले एकमात्र रास्ते को बंद कर दिया। पहले से ही बोर्ड ऑफिस से ज्योति टॉकीज आने वाला मार्ग मरम्मत कार्य के कारण बंद है, ऐसे में दोनों तरफ रास्ते बाधित होने से इलाके में ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई।जानकारी के मुताबिक कॉम्प्लेक्स के बेसमेंट में पानी निकासी के लिए चेंबर बनाए गए हैं, जिनसे सीवेज लाइन भी गुजरती है। नाले का पानी बंद करने के बाद सीवेज लाइन पर दबाव बढ़ गया और चेंबर ओवरफ्लो होकर गंदा पानी सीधे बेसमेंट में भर गया। सूचना मिलने पर नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और टैंकरों की मदद से पानी को बाहर निकाला गया। दरअसल, पिछले साल तेज बारिश के दौरान एमपी नगर की मुख्य सड़क अचानक धंस गई थी। यहां करीब 8 फीट गहरा और 10 फीट चौड़ा गड्ढा बन गया था, जिसमें एक कार तक समा सकती थी। बाद में अस्थायी मरम्मत की गई थी, लेकिन पीडब्ल्यूडी ने पूरे हिस्से का स्थायी समाधान करने का निर्णय लिया। दो-तीन बार टेंडर प्रक्रिया के बाद अब सड़क को दोबारा मजबूत बनाने का काम शुरू किया गया है।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने गुरुवार को मंत्रालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एल पी जी सहित अन्य ईंधन की उपलब्धता की समीक्षा की

मुख्यमंत्री डॉ यादव के मुख्य आतिथ्य में 13 मार्च को घाटीगॉंव में राज्य स्तरीय लाड़ली बहना सम्मेलन

कलेक्टर एवं एसएसपी ने विधायक श्री राठौर के साथ लिया तैयारियों का जायजा

ग्वालियर (ए.) । मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के आतिथ्य में घाटीगाँव के समीप स्थित शबरी माता मंदिर परिसर में 13 मार्च को आयोजित होने जा रहे लाड़ली बहना सम्मेलन की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने गुरुवार को कार्यक्रम स्थल पर पहुँचकर तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही हैलीपेड का भी निरीक्षण किया।

इस अवसर पर विधायक मोहन सिंह राठौर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह , जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत , एडीएम सी बी प्रसाद एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री सुमन गुर्जर व जयराज कुवेर सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कार्यक्रम स्थल पर गर्मी के मौसम को ध्यान में रखकर पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही ऐसी व्यवस्था रहे जिससे पार्किंग स्थल से लाड़ली बहनाओं सहित सुविधाजनक तरीके से कार्यक्रम स्थल पर निर्धारित सेक्टर में पहुँच सकें।

मप्र के पन्ना में बैलगाड़ियों पर निकली बारात, परंपरा और पर्यावरण बचाने का दिया संदेश

पन्ना (ए.) । मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के अजयगढ़ में बुधवार की रात बैलगाड़ियों से निकली एक बारात ने केवल सभी का ध्यान खींचा है, बल्कि आधुनिक दौर की चमक-दमक को पीछे छोड़कर परंपरा और सादगी की नई मिसाल पेश की है। दरअसल, आजकल शादियों में लग्जरी कारों और महंगे काफिलों का चलन तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में अजयगढ़ के विश्वकर्मा परिवार ने ईंधन संकट और बढ़ते पेट्रोल-डीजल के खर्च के बीच बैलगाड़ियों पर बारात निकालकर लोगों को हैरान कर दिया। इस शादी से जहां पर्यावरण बचाने का संदेश दिया गया तो वहीं पुरानी परंपरा को भी पुनर्जीवित कर दिया।

बैलगाड़ियों के साथ निकली अनोखी बारात

अजयगढ़ के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. रामखिलावन विश्वकर्मा ने अपने छोटे बेटे की बारात के लिए महंगी गाड़ियों की बजाय पारंपरिक बैलगाड़ियों का चयन किया। उन्होंने इस अनोखी बारात को खास बनाने के लिए जनपद क्षेत्र के गांवों-बीरा, लोलास, शाहपुरा, गड़रियन पुरवा और मझपुरवा से करीब 30 बैलगाड़ियां मंगवाईं। बुधवार देर रात लगभग साढ़े 11 बजे जब बैलों के गले में बंधी घंटियों की मधुर ध्वनि के साथ बारात निकली तो पूरा इलाका पुराने समय की यादों में खो गया। बैलगाड़ियों के साथ-साथ आधा दर्जन नाचते हुए घोड़े और ढोल-नगाड़ों की गूंज ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया। इस अनोखी बारात को देखने के लिए सड़कों पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। कई लोगों ने अपने मोबाइल में इस अनूठे दृश्य को कैद किया। सोशल मीडिया पर भी इस बारात के वीडियो और तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं।

इंदौर में केले से भरी आयशर ट्रक से टकराई, ड्राइवर और क्लीनर की मौत

इंदौर (ए.) । मध्य प्रदेश के इंदौर के कनाडिया थाना क्षेत्र में बिचोली हाप्सी ब्रिज पर बुधवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। केले से भरा आयशर वाहन हाईवे पर खड़े ट्रक से पीछे से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आयशर चालक और क्लीनर की मौके पर ही मौत हो गई पुलिस के अनुसार आयशर वाहन राऊ से देवास की ओर जा रहा था। इसी दौरान बिचोली हाप्सी ब्रिज के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से उसकी तेज रफ्तार में टक्कर हो गई। हादसे के समय ट्रक पर एक जेसीबी मशीन भी खड़ी थी। तेज टक्कर के कारण आयशर का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और केबिन में सवार दोनों लोग उसमें बुरी तरह फंस गए। हादसे में आयशर चालक रमेश उर्फ राजेश पुत्र फूलचंद गोयल निवासी बड़वानी और क्लीनर राजू उर्फ राजेश निवासी बोधवाड़ा, धार की मौके पर ही मौत हो गई।

जहर खाने से मौत

जबलपुर, (ए.)। रांझी थानांतर्गत पुरानी बस्ती रांझी में एक युवक ने जहर का सेवन कर लिया था। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे इलाज के लिए मेडीकल अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर मर्ग कायम कर जांच में लिया गया है। रांझी पुलिस ने बताया कि पुरानी बस्ती रांझी निवासी सुमित चौधरी ने घर में जहर का सेवन कर लिया था। जिसे उसकी मां ने इलाज के लिए मेडीकल अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां कल इलाज के दौरान सुमित की मौत हो गई।

दोस्त को बचाने पहुंचे युवकों को चाकू मारे

जबलपुर, (ए.)। गोरखपुर थानांतर्गत कल हाउबाग रेलवे स्टेशन रोड पर मैगी पाइंट पर दोस्त के साथ मारपीट की सूचना पर पहुंचे कार सवार दो युवकों से आरोपी ने सिगरेट पीने पैसे की मांग कर दोनों पर चाकू से हमला कर गंभीर चोटें पहुंचा दी। गोरखपुर पुलिस ने बताया कि ठक्कर ग्राम निवासी हारिश अहमद को कल रात उसके दोस्त ने मोबाइल पर कॉल कर सूचना दी कि हाउबाग रेलवे स्टेशन के समीप मेगी पाइंट पर शुभम गुप्ता उसके साथ मारपीट कर रहा है। हारिश अपने साथी रोहबान के साथ कार से दोस्त को बचाने पहुंचा तो वहां शुभम ने उससे सिगरेट पीने पैसे मांगे। मना करने पर शुभम ने हारिश व रोहबान पर चाकू से हमला कर चोटें पहुंचा दी।

गैस सिलेंडर की जमाखोरी और कालाबाजरी पर होगी एफआईआर

राजगढ़,(ए.)। जिले में गैस सिलेंडर की उपलब्धता एवं आपूर्ति व्यवस्था को लेकर गुरुवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की सभी गैस एजेंसियों के संचालकों से विस्तृत जानकारी ली गई साथ ही घरेलू एवं व्यवसायिक गैस कनेक्शन, गैस रिफलिंग की स्थिति, गैस आपूर्ति में आने वाली संभावित समस्याओं तथा एजेंसियों में उपलब्ध वर्तमान स्टॉक की समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर डॉ.गिरीशकुमार मिश्रा ने निर्देश दिए कि प्रत्येक गैस एजेंसी को अपने यहां उपलब्ध गैस सिलेंडर के स्टॉक की जानकारी सार्वजनिक रुप से प्रदर्शित करना अनिवार्य है, इस व्यवस्था का पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संबंधित एसडीएम एवं एसडीओपी को दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रशासन और पुलिस की संयुक्त फ्लांइग स्काड गठित कर जिले के सभी पेट्रोलपंप एवं गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया जाएगा।उन्होंने कहा कि यदि कहीं गैस सिलेंडर की जमाखोरी या कालाबाजारी पाई जाती है तो संबंधित के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। बैठक में पाइप्ड नेचुरल गैस के प्रचार- प्रसार पर भी विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर डॉ.मिश्रा ने थिंक गैस एजेंसी से जिले में पीएनजी कनेक्शन की कम संख्या के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पीएनजी की कैलोरीफिक वैल्यू अधिक होने के बावजूद कनेक्शन कम होना चिंता का विषय है। इस दौरान एजेंसी संचालक द्वारा कनेक्शन शुल्क एवं पीएनजी के लाभों की स्पष्ट जानकारी नही होने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की।बैठक में पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी ने कहा कि गैस सिलेंडर की जमाखोरी व कालाबाजारी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नही की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि किसी गैस एजेंसी के बाहर लोगों की अनावश्यक लंबी कतार लगती है, तो इसकी सूचना प्रशासन को तुरंत दी जाए, ताकि समय रहते व्यवस्था बनाई जा सके। इस मौके पर अपर कलेक्टर प्रतापसिंह चैहान, जिला आपूर्ति अधिकारी अजीतसिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आजीविका मिशन से बदली महिलाओं की तकदीर

‘कृष्णा आजीविका समूह’ बना महिला सशक्तिकरण की मिसाल

बालाघाट (ए.) । संकल्प मजबूत हो और साथ में सामूहिक प्रयास जुड़ जाए तो सीमित संसाधन भी बड़ी सफलता की कहानी लिख सकते हैं। बालाघाट जिले के लांजी विकासखंड के ग्राम कुल्पा की 13 महिलाओं ने यही कर दिखाया है। कृष्णा आजीविका स्व-सहायता समूह से जुड़कर इन महिलाओं ने न केवल इनके जीवन में खुशहाली आई है, बल्कि पूरे गांव में महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल भी कायम हुई है।कुछ वर्ष पहले जब इन महिलाओं ने समूह की शुरुआत की थी, तब उनके पास संसाधन कम थे लेकिन हौसले बुलंद थे। अनुशासन, एकजुटता और नियमित बचत को आधार बनाकर उन्होंने समूह को मजबूत किया। नियमित बैठकें, हर माह बचत, समय पर ऋण वापसी और सामूहिक निर्णय लेने की प्रक्रिया ने समूह को आगे बढ़ने की शक्ति दी।शुरुआती छह महीनों में ब्लॉक कार्यालय के मार्गदर्शन से समूह को 13 हजार रुपये की

चक्रीय निधि प्राप्त हुई। इस छोटी राशि से शुरू हुई आर्थिक गतिविधियों ने धीरे-धीरे आत्मविश्वास बढ़ाया। बाद में बैंक सखी के सहयोग से समूह को प्रथम सीसीएल के रूप में एक लाख रुपये का ऋण मिला, जिसे कृषि कार्य में लगाकर महिलाओं ने 12 महीनों में ब्याज सहित वापस कर दिया।

समूह को क्रमशः द्वितीय सीसीएल में 2 लाख और तृतीय सीसीएल में 3 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस राशि से महिलाओं ने बकरी पालन, जनरल स्टोर्स, पान दुकान, सब्जी उत्पादन, ऑनलाइन सेंटर और ट्रैक्टर खरीद जैसे कई छोटे-छोटे व्यवसाय शुरू किए। इन प्रयासों ने न केवल उनकी आय बढ़ाई, बल्कि गांव में रोजगार के अवसर भी सृजित किएचतुर्थ सीसीएल के रूप में फिर 3 लाख रुपये की सहायता मिली, जिससे महिलाओं ने अपने व्यवसायों का विस्तार किया। इसके साथ ही ग्राम संगठन से 1 लाख 10 हजार रुपये की CIF राशि भी प्राप्त हुई, जिसका उपयोग कृषि और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में किया गया।आज समूह की कई महिलाएं अच्छी आय अर्जित कर रही हैं। वछला दशहरे दीदी की मासिक आय लगभग 20 हजार रुपये, पुस्तकला वर्मा दीदी की 25 हजार रुपये, रामबती दमाहे और इमला शेंडे दीदी की लगभग 15 हजार रुपये तथा विमला नागपुरे दीदी की लगभग 8 हजार रुपये हो गई है। अन्य सदस्य भी बकरी पालन और कृषि कार्य से 4 से 5 हजार रुपये मासिक आय प्राप्त कर रही हैं। इस समूह की सबसे प्रेरणादायक कहानी नीरा दशहरे की है। उन्होंने समूह से मिले सहयोग और ऋण का उपयोग अपनी तीनों बेटियों की शिक्षा में किया। आज उनकी तीनों बेटियां नौकरी कर रही हैं और लगभग 1 लाख रुपये मासिक आय अर्जित कर रही हैं।

आयुष मंत्रालय में डायरेक्टर पद पर निकली भर्ती, 2 लाख से ज्यादा मिलेगी सैलरी; जल्द करें आवेदन

नई दिल्ली (ए.) । सरकारी नौकरी की तलाश में जुटे लोगों के लिए भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय, नॉर्थ इस्टर्न इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदा एंड फोल्क मेडिसिन रिसर्च (एनईआईएएफएमआर) पासीघाट, ने डायरेक्टर के 1 पद पर भर्ती के लिए ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी किया है।

एनईआईएएफएमआर की ओर से जारी पद के लिए ऑफलाइन मोड में आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल निर्धारित की गई है। ऐसे में जो योग्य और इच्छुक उम्मीदवार एप्लीकेशन फॉर्म भरने की सोच रहे हैं, वे तय समय सीमा में भीतर अपना रजिस्ट्रेशन फॉर्म जमा कर सकते हैं।

अप्लाई करने वाले उम्मीदवारों के पास मान्यता प्राप्त संस्थान या यूनिवर्सिटी से संबंधित पद अनुसार आयुर्वेद/पब्लिक हेल्थ/हेल्थ मैनेजमेंट/एथनो बॉटनी/सोशल एंथ्रोपोलॉजी/बायोलॉजिकल साइंसेज/फॉरेस्ट्री/इन्वामेंटल साइंस में पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री या हेल्थ केयर मैनेजमेंट/हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन में पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री या डिप्लोमा होना चाहिए। इसी के साथ कैंडिडेट्स के पास अन्य निर्धारित पात्रता का होना भी जरूरी है।

आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की अधिकतम आयु 56 साल निर्धारित की गई है, जिसकी गणना 20 अप्रैल के आधार पर की जाएगी। वहीं, तय समय सीमा के भीतर सफलतापूर्वक रजिस्ट्रेशन करने वालों में से चयनित कैंडिडेट की सैलरी पे लेवल 13 ऑफ पे मैट्रिक्स लेवल ऑफ 7 सीपीसी के अनुसार 1,23,100 से 2,14,100 रुपए प्रति महीने होगी।

आवेदन करने के लिए उम्मीदवार सबसे पहले आयुष मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। होमपेज पर जाने के बाद जारी पद से संबंधित ऑफिशियल नोटिफिकेशन लिंक पर क्लिक करें और उसमें मौजूद फॉर्म को डाउनलोड कर लें। फिर फॉर्म का प्रिंट आउट निकाल लें। इसके बाद एप्लीकेशन फॉर्म में मांगी गई सभी जानकारियों को दर्ज करें। मांगे गए सभी डॉक्यूमेंट और फोटो को आवेदन से अटैच करें। फिर रजिस्ट्रेशन फॉर्म को अब्दुल सादिक खान, अवर सचिव (आयुर्वेद), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, आयुष भवन, बी-ब्लॉक, जीपीओ कॉम्प्लेक्स, आईएनए, नई दिल्ली-110023 पते पर पोस्ट कर दें।

आईईए के रिजर्व जारी करने की रिपोर्ट्स के बीच कच्चे तेल की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल के नीचे लुढ़की

नई दिल्ली (ए.)। कच्चे तेल की कीमत में बुधवार को गिरावट देखने को मिली और यह 90 डॉलर प्रति बैरल के नीचे फिसल गया है। इसकी वजह आईईए द्वारा इमरजेंसी रिजर्व जारी कर कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ाने के प्रस्ताव को माना जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी-ईरान युद्ध के बाद बढ़ी हुई कच्चे तेल की कीमतों को कम करने के लिए इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) इमरजेंसी रिजर्व से कच्चे तेल की आपूर्ति पर विचार कर रहा है। कई रिपोर्ट्स के अनुसार, इमरजेंसी रिजर्व से प्रस्तावित आपूर्ति 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के बाद दो चरणों में जारी किए गए 182 मिलियन बैरल से अधिक होगी। जी7 देशों ने आईईए से इस तरह के कदम के लिए तैयार रहने का अनुरोध किया है। इन रिपोर्ट्स के बाद ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 0.99 प्रतिशत गिरकर 86.93 डॉलर प्रति बैरल हो गई, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) वायदा 0.75 प्रतिशत गिरकर 82.82 डॉलर हो गया।हाल के दिन में होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने के कारण ब्रेंट क्रूड में करीब 50 प्रतिशत तक की तेजी देखी गई थी और यह 119 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया था। होर्मुज जलडमरूमध्य, मध्य पूर्व में प्रमुख समुद्री व्यापारिक मार्ग पर स्थित एक संकरा रास्ता है, जिससे दुनिया का करीब 20 प्रतिशत कच्चा तेल होकर जाता है।

शेयर बाजार में भूचाल : बाजार खुलते ही 5 सेकंड में स्वाहा हुए 5 लाख करोड़ रुपए, सेंसेक्स-निफ्टी औंधे मुंह गिरे

मुंबई ,(ए) । पश्चिमी एशिया में गहराते युद्ध और तनाव का सीधा और खौफनाक असर अब भारतीय निवेशकों की जेब पर दिखने लगा है। गुरुवार सुबह शेयर बाजार का कारोबारी सत्र शुरू होते ही एक ऐसा भूचाल आया जिसने निवेशकों की नींद उड़ा दी। महज 5 सेकंड के भीतर ही निवेशकों की गाढ़ी कमाई के करीब 5 लाख करोड़ रुपये पानी में बह गए। बिकवाली की इस तेज आंधी में सेंसेक्स और निफ्टी जैसे प्रमुख सूचकांक ताश के पत्तों की तरह ढह गए, जिससे पूरे शेयर बाजार में चौतरफा हाहाकार मच गया।

सेंसेक्स और निफ्टी ने लगाया जोरदार गोता

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स अपने पिछले बंद स्तर 76,863.71 के मुकाबले सीधे 494.06 अंक का गोता लगाकर 76,369.65 पर खुला। चंद मिनटों में ही यह गिरावट और भी गहरी हो गई और सुबह सवा नौ बजे के करीब सेंसेक्स 915.72 अंक (1.19%) लुढ़ककर 75,947.99 के स्तर पर आ गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी का हाल भी बेहद खराब रहा। निफ्टी 192 अंकों की भारी कमजोरी के साथ 23,674.85 पर खुला और शुरुआती दबाव के

चलते 264.85 अंक टूटकर 23,602.00 पर आ गया।

रिलायंस से लेकर बैंकों तक दिग्गज शेयरों में भारी बिकवाली

बाजार के हर कोने में लाल निशान हावी दिखा और दिग्गज कंपनियों के शेयर धड़ाम हो गए। रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे मजबूत शेयर में 0.51% की गिरावट देखी गई और यह 1383.95 रुपये पर आ गया। वहीं एचडीएफसी बैंक 0.65% और भारती एयरटेल 0.58% लुढ़ककर कारोबार करते दिखे। एफएमसीजी और आईटी सेक्टर के प्रमुख शेयर जैसे आईटीसी, इन्फोसिस, टीसीएस और एशियन पेंट्स भी दबाव में नजर आए। सबसे ज्यादा मार ऑटो, मेटल और बैंकिंग सेक्टर पर पड़ी है। मारुति, एसबीआई, कोटक बैंक और एक्सिस बैंक के शेयरों में 1.5% से लेकर 1.74% तक की भारी गिरावट दर्ज की गई।

विदेशी बाजारों से भी बढ़ा निराशा का दबाव

भारतीय शेयर बाजार में आई इस भयंकर गिरावट के पीछे केवल घरेलू या मिडिल ईस्ट के कारण ही नहीं, बल्कि विदेशी बाजारों का चौतरफा दबाव भी शामिल है। एशियाई बाजारों में भारी कमजोरी हावी है। जापान का निक्केई इंडेक्स 848 से ज्यादा अंक (1.54%) गिरकर 54,177.15 पर आ गया है। इसके अलावा, हांगकांग के हैंग सेंग और दक्षिण कोरिया के कोस्पी इंडेक्स ने भी एक प्रतिशत से अधिक का गोता लगाया है, जिसने दुनिया भर के साथ-साथ भारतीय निवेशकों के बीच घबराहट को और बढ़ा दिया है।

एलपीजी सिलेंडर की ‘पैनिक बुकिंग’ पर सरकार की सख्त अपील, बुकिंग के नियमों में हुआ बड़ा बदलाव

नई दिल्ली ,(ए.) । देशभर में एलपीजी सिलेंडरों की किल्लत की अफवाहों के बीच पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने आम जनता से एक अहम अपील की है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि गैस की कोई कमी नहीं है और

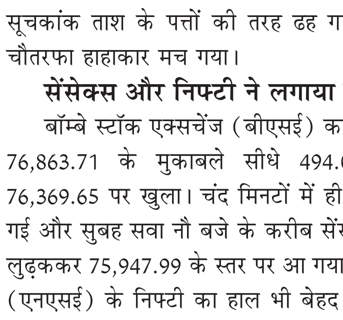

लोगों को पैनिक बुकिंग (घबराहट में बुकिंग) करने से बचना चाहिए। डिमांड को संतुलित करने और जमाखोरी को रोकने के लिए सरकार ने एक अस्थायी कदम उठाते हुए दो बुकिंग के बीच का न्यूनतम अंतर 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया है।

अफवाहों से बिगड़ी व्यवस्था, कालाबाजारी रोकने के लिए नया सिस्टममंत्रालय की प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सुजाता शर्मा ने बताया कि गलत जानकारियों और अफवाहों के कारण लोगों ने बड़ी संख्या में पैनिक बुकिंग शुरू कर दी, जिससे सप्लाई चेन पर अनावश्यक दबाव पड़ा। उन्होंने स्पष्ट किया कि औसत घरेलू एलपीजी डिलीवरी साइकिल अभी भी लगभग ढाई दिन का ही है और सप्लाई सामान्य रूप से जारी है। इसके साथ ही, डिस्ट्रीब्यूटर स्तर पर गैस की कालाबाजारी और डायवर्जन को पूरी तरह रोकने के लिए अब ‘डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड’ (DAC) सिस्टम को सख्ती से लागू कर दिया गया है। घरेलू उत्पादन में इजाफा, जरूरी सेक्टरों को मिलेगी प्राथमिकताराहत की बात यह है कि देश में घरेलू एलपीजी उत्पादन में 25 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है और यह पूरा आउटपुट सीधे घरेलू उपभोक्ताओं की रसोई तक पहुंचाया जा रहा

हवा में उड़ेगी टैक्सी: UBER से होगी बुक और ट्रैफिक जाम का झंझट खत्म, 321 KM/H की रफ्तार से आसमान की सैर कराएगी ये कंपनी

नई दिल्ली (ए.) । आसमान में उड़ती टैक्सी में बैठकर दफ्तर या एयरपोर्ट जाने का सपना अब साइंस फिक्शन फिल्मों से निकलकर हकीकत में बदलने जा रहा है। अमेरिकी एविएशन कंपनी ‘जॉबी एविएशन’ (Joby Aviation) ने अपनी पहली प्रोडक्शन इलेक्ट्रिक एयर टैक्सी की टेस्टिंग शुरू कर दी है। यह तकनीक की दुनिया का एक ऐसा क्रांतिकारी कदम है, जो बहुत जल्द लोगों को शहरों के भारी ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाकर आसमान के रास्ते उनके गंतव्य तक पहुंचाएगा। कंपनी को पूरी उम्मीद है कि फेडरेशन एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (FAA) की ओर से सर्टिफिकेशन और जांच की प्रक्रिया इसी साल पूरी हो जाएगी, जिसके बाद यह सर्विस आम लोगों के सफर के लिए तैयार होगी।

हेलिकॉप्टर और हवाई जहाज का शानदार कॉम्बिनेशन है ये एयर टैक्सी

जॉबी एविएशन की इस एयर टैक्सी का डिजाइन बेहद खास और अत्याधुनिक है। यह एक इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ एंड लैंडिंग (eVTOL) एयरक्राफ्ट है, जिसमें 6 रोटर लगाए गए हैं। इन रोटर्स की मदद से यह अपनी जगह से ही सीधे टेक-ऑफ और लैंडिंग करने में सक्षम है। हवा में पहुंचने के बाद यह किसी सामान्य हवाई जहाज की तरह आगे की ओर

उड़ान भरती है। इस एयर टैक्सी में एक पायलट के साथ 4 यात्री आराम से सफर कर सकते हैं। इसकी अधिकतम रफ्तार 321 किलोमीटर प्रति घंटा (200 मील/घंटा) है और एक बार फुल चार्ज होने पर यह 160 किलोमीटर तक की दूरी आसानी से तय कर सकती है। सुरक्षा के लिहाज से इसमें कई आधुनिक सिस्टम लगाए गए हैं और यह पारंपरिक हेलिकॉप्टर की तुलना में कई गुना ज्यादा शांत है।

Uber ऐप से आम कैब की तरह बुक होगी आपकी आसमानी सवारी

इस शानदार प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि मशहूर राइड-हेलिंग ऐप उबर (Uber) ने जॉबी एविएशन के साथ एयर टैक्सी सर्विस शुरू करने का ऐलान किया है। अब एयर टैक्सी की बुकिंग प्रक्रिया बिल्कुल किसी आम कैब को बुक करने जैसी ही होगी। आपको बस उबर ऐप खोलकर अपना डेस्टिनेशन डालना होगा और अगर उस रूट पर हवाई सफर संभव होगा, तो एयर टैक्सी का विकल्प आपकी स्क्रीन पर आ जाएगा। सबसे अच्छी बात यह है कि इस सिंगल बुकिंग में आपको घर से टेक-ऑफ पॉइंट तक गाड़ी से ले जाया जाएगा, फिर हवा में सफर होगा और लैंडिंग के बाद आखिरी मंजिल तक फिर से सड़क मार्ग से पहुंचाया जाएगा। यानी पूरा सफर सिर्फ एक टिकट और एक ऐप के जरिए पूरा हो जाएगा। कंपनी की योजना इसी साल के अंत तक दुबई में अपनी पहली कमर्शियल पैसेंजर सर्विस शुरू करने की है। इसके लिए दुबई में 4 विशेष लैंडिंग साइट बनाने का प्लान है, जिनमें से दो पर तेजी से काम चल रहा है। वर्तमान में कैलिफोर्निया के मरीना स्थित प्लांट में एयरक्राफ्ट की शुरुआती टेस्टिंग की जा रही है। दुबई के अलावा, कंपनी अमेरिका में भी सीमित स्तर पर इस सर्विस को शुरू करने की तैयारी कर रही है। भविष्य की बड़ी जरूरतों को देखते हुए कंपनी ने 2027 तक हर महीने कम से कम 4 एयरक्राफ्ट का निर्माण करने का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए कैलिफोर्निया के साथ-साथ डेटन, ओहियो स्थित फैक्ट्री में भी बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन बढ़ाया जाएगा।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

ईरान ने लंबी लड़ाई की तैयारी कर रखी

खामेनई के उत्तराधिकारियों ने चंद घंटों के अंदर जिस तरह इजराइल के अंदर तथा विभिन्न खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य एवं अन्य ठिकानों को निशाना बनाया, उसका यही पैगाम है कि ईरान ने लंबी लड़ाई की तैयारी कर रखी है। विडंबना ही है कि जिस सुबह अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ ओमान के विदेश मंत्री बदर बिन हमद अल बुसेइदी ने जानकारी दी कि ईरान संवर्धित यूरेनियम के भंडार को खत्म करने और आगे संवर्धन ना करने पर राजी हो गया है, अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर साझा हमला बोल दिया। इसका एलान करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने जो कहा, उसका अर्थ यही था कि वे इतने से संतुष्ट नहीं है, बल्कि ईरान में सत्ता परिवर्तन उनका मकसद है, ताकि पश्चिम एशिया में आगे चल कर इजराइल को चुनौती दे सकने वाला कोई देश ना रहे। इस उद्देश्य में अमेरिका-इजराइल को आरंभिक सफलता भी मिली। उनके हमलों में ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता आयतुल्लाह खामेनई मारे गए। लेकिन अब यह स्पष्ट है कि उससे तखता पलट का मकसद तुरंत हासिल होने नहीं हुआ है। ईरान के इस्लामी शासन ने उत्तराधिकार की कई स्तरों की व्यवस्था की हुई है, जिसमें आपातकालीन उत्तराधिकार भी शामिल है। खामेनई के उत्तराधिकारियों ने चंद घंटों के अंदर जिस तरह इजराइल के अंदर तथा विभिन्न खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य एवं अन्य ठिकानों को निशाना बनाया, उसका यही पैगाम है कि ईरान ने लंबी लड़ाई की तैयारी कर रखी है। कोरिया और वियतनाम युद्धों के बाद कभी ऐसा नहीं हुआ कि किसी शक्ति ने अमेरिकी सैन्य अड्डों पर इतने बेखौफ ढंग से हमले किए हों।उधर पूरा पश्चिम एशिया लड़ाई के दायरे में आता दिख रहा है, जिससे क्षेत्रीय युद्ध के अंदेशे ने ठोस रूप ले लिया है। इसके बीच 'छोटी और निर्णायक' लड़ाई की डॉनल्ड ट्रंप की मंशा पूरी होने की संभावना कम ही है। तखता पलट के बिना आखिर क्या वो मकसद होगा, जिससे ट्रंप अपनी जीत का एलान कर सकें, यह उन्होंने स्पष्ट नहीं किया है। इस रणनीतिक अस्पष्टता के कारण युद्ध का लंबा खिंचा, तो उसकी आंच दुनिया भर तक पहुंचेगी।

ट्रंप ने पिछले एक वर्ष में दुनिया को हांका

हरिशंकर व्यास

देश-सभ्यता विशेष को व्यक्ति विशेष कितना तबाह कर देता है और संविधान, सुप्रीम कोर्ट कैसे देश बचाने की ढाल बनते हैं, इसका प्रमाण आज अमेरिका है। उस नाते अमेरिका के ढाई सौ साल और भारत की स्वतंत्रता, संविधान के आठ दशकों का क्या फर्क है? भारत ने कुछ ही दशकों में संविधान से सरकार को 'हम भारत के लोग' का माईबाप बना दिया। संस्थाएं बिना रीढ़ की हो गईं। नतीजतन 140 करोड़ लोग खैरात से भय, भूख, भक्ति की जिंदगी जी रहे हैं।

ठीक विपरीत ढाई सौ साल पुराने अमेरिकी संविधान को खंगालें तो एकमात्र डोनाल्ड ट्रंप वह राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने संविधान-संस्थाओं को बेशर्मी से ठेंगा दिखाया। संविधान के एक आपातकालीन प्रावधान के हवाले टैरिफ के वे मनमाने फरमान निकाले, जिससे दुनिया में त्राहिमाम हुआ। पर अमेरिका के नागरिकों ने ही इस मनमानी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी! और सुप्रीम कोर्ट के छह जजों ने (तीन विरोध में) बहुमत से दो टूक यह फैसला दिया, ट्रंप के टैरिफ अवैध हैं! दुनिया में कितने ऐसे सुप्रीम कोर्ट हैं, जिनके जजों में ऐसी रीढ़ की हड्डी है? ट्रंप ने भी पिछले कार्यकाल में अपने जज नियुक्त किए थे। उनमें से भी राष्ट्रपति के फैसलों को अवैध करार देने वाले जज थे। चीफ जस्टिस सहित सभी नौ जजों ने जांच-तौल में लिखे गए प्रावधानों की व्याख्या तर्कों के साथ की और साफ बहुमत से ट्रंप के फैसलों को अवैध करार दिया।

ट्रंप का बौखलाना स्वाभाविक था। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और जजों के खिलाफ विदेशी प्रभाव से लेकर कुत्ते जैसे जुमलों तक से हमला किया। और यह भी अमेरिकी संविधान की इस बुनियाद पर है कि नागरिक का मूलभूत अधिकार व्यक्तिगत स्वतंत्रता में कुछ भी कहने, यानी उसकी अभिव्यक्ति की आजादी का अबाध हक है। राष्ट्रपति डराएं, धमकाएं, कार्यपालिका को मनमाफिक चलाएं, सुप्रीम कोर्ट का जज न डरेगा, न चिंता करेगा। वह संविधान के प्रति प्रतिबद्धता में वही फैसला देगा जो संविधान का सत्य है और उसकी जो समझ या व्याख्या है।

सरकार या राष्ट्रपति से डरना, या कानून मंत्रियों की दखलंदाजी का अमेरिकी न्यायपालिका में कोई अर्थ नहीं है। न्यायपालिका की वैसी ही पृथक सत्ता है जैसी विधायिका-संसद की अपनी पृथक स्वतंत्रता है, तो बतौर कार्यपालिका के प्रमुख राष्ट्रपति का पावर भी पृथक और स्पष्ट है। तभी सुप्रीम कोर्ट ने संविधान-प्रदत्त आपातकालीन प्रावधानों के हवाले ट्रंप के टैरिफ अवैध करार दिए तो ट्रंप ने फटाफट अपने दूसरे अधिकार से

15 प्रतिशत टैरिफ का नया आदेश निकाला। पर इस आदेश के टैरिफ पांच महीने ही मान्य रहेंगे। फिर संसद जाना पड़ेगा। इस प्रावधान में टैरिफ लगाने की सीमा पंद्रह प्रतिशत ही है। जाहिर है, ऐसा करके ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट की परवाह न करने, मतलब अपने अहंकार को फिर दर्शाया।

इससे बदनामी, भद्द किसकी हो रही है? पूरी दुनिया और खासकर यूरोप के असल लोकतांत्रिक देशों में किसकी वाहवाही है? अमेरिका और अमेरिकी संविधान की। ट्रंप की नाराजगी की बिना चिंता किए वैश्विक मीडिया और नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सत्ता के संतुलन की जीत बताया। मतलब कोर्ट ने कार्यपालिका (राष्ट्रपति) की सीमाओं को स्पष्टता से दर्शाया है कि अमेरिका में कोई भी शाखा अवैध रूप से अधिक शक्ति नहीं ले सकती। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा, 'लोकतंत्र में पावर काउंटरवेट्स (जांच-तौल) आवश्यक हैं'। कनाडा सरकार ने और हिम्मत दिखाई, 'तो टैरिफ गैरकानूनी साबित'! और तो और ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के कई नेताओं ने संवैधानिक संतुलन (चेक-बैलेंस) के पक्ष में फैसला सटीक बताया।सोचें, दुनिया ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले से कैसी राहत ली होगी? मन ही मन अमेरिका का कैसा मान बना होगा। आश्चर्य नहीं होगा यदि यूरोपीय संघ, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन आदि ट्रंप प्रशासन की दादागिरी में हुए व्यापार समझौते को खारिज करें या टाल दें। मंगलवार को ट्रंप संसद के साझा सत्र में 'स्टेट ऑफ द यूनियन' भाषण देंगे। उन्हें ठीक सामने बैठे सुप्रीम कोर्ट के जज भी सुनेंगे। संभव है यह मौका कुछ अनहोनी लिए हुए हो। नामुमकिन नहीं कि ट्रंप सामने बैठे जजों को भला-बुरा कहें। या उनके भक्त रिपब्लिकन सांसद बनाम डेमोक्रेटिक सांसदों में राजनीतिक भिड़ंत हो! राष्ट्रपति ट्रंप ने विधायिका यानी संसद पर भी दबिश बनाई हुई है। पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से संसद के ही टैरिफ अधिकारों की पुष्टि है, तो सांसदों पर राष्ट्रपति के भड़भड़िया भाषण का विशेष असर नहीं होगा। लेकिन हंगामा तो संभव है।

जो हो, मूल सवाल है अमेरिका का ऐसा बेजोड़ होना किस कारण से है? मेरा मानना है एकमेव वजह अमेरिकी नींव, संविधान है। और ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि अमेरिका उन स्वतंत्रचेता मनुष्यों से निर्मित है जिनकी मूल वृत्ति (बेसिक इंस्टिंक्ट) आकाश में उड़ने, स्वतंत्रता से जीने तथा मन का कुछ करने का लक्ष्य होता है। तभी दुनिया भर के और स्वतंत्रता के बाद भारत के भी पढ़े-लिखे, पुरुषार्थी लोग सर्वाधिक अमेरिका गए। सभी अमेरिका के परिवेश में अपने अवसर मानकर गए। इस ललक के साथ कि वे कुछ बनें, खिलें और जिंदगी संतोष, सुरक्षा, स्वाभिमान से जिएं। सवाल है, क्यों अमेरिका में यह ज्यादा संभव है? इसलिए क्योंकि सरकार, कार्यपालिका, अफसर-बाबुओं का जिंदगी में न्यूनतम दखल है (ट्रंप ने इसे भयावह तौर पर बिगाड़ा है) और खुली सांस में जीना संभव है। दूसरे शब्दों में अमेरिका जहां सौ फूल खिलने का सांस्कृतिक आधार लिए हुए है, तो उस गरुड़-बाज मानसिकता का वह परिवेश भी है जिसमें बुद्धि, मेहनत, जोखिम और पूंजी के बूते असंभव को संभव बनाना आम व्यक्ति के लिए भी मुमकिन है। हकीकत है कि कोलंबस ने अमेरिका खोजा तो उसके बाद 17वीं सदी में इंग्लैंड, नीदरलैंड, स्पेन, फ्रांस आदि से लोग धार्मिक उत्पीड़न, कराधान और सामंती नियंत्रण से मुक्ति के लिए अमेरिका गए। तब समुद्री यात्रा की जोखिमों से पार पाकर जो भी अमेरिका पहुंचा, वह दुस्साहसी पुरुषार्थी था। सभी में यह जिद थी कि हमें कुछ बनना है, बनकर दिखाना है और जो भुगता है उसे नई दुनिया में नहीं पनपने देना है।हां, मूल यूरोपीय विस्थापितों ने ही अपने आपको नई दुनिया कहा या माना, तो वजह यूरोप के तब के हालातों से तौबा थी। इसलिए नई दुनिया में किसी की अधीनता नहीं। हर नागरिक बंदूक रखकर रक्षा का अधिकारी। हमारा कोई मालिक नहीं। हम स्वयंभू अपने मालिक हैं। तभी इतिहास में यह तथ्य दर्ज है कि 1620 में मेफ्लावर से आए तीर्थयात्रियों ने अपना एक लिखित अनुबंध बनाया, जो स्वशासन यानी आत्म-शासन की शुरुआती मिसाल था। इसी कारण 1787 का संविधान बना तो वह मात्र शासन का दस्तावेज नहीं था, बल्कि राजा, सामंत, राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री आदि की सत्ता से भयमुक्ति का दस्तावेज भी था।

'कैरियर पिजन सर्विस अभी भी जीवित

रजनीश कपूर

ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे-धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब-डिवीजनों, सर्कलों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 'पिजन लॉफ्ट' सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे।

आज के डिजिटल युग में जहां व्हाट्सएप, वीडियो कॉल, इंटरनेट और सैटेलाइट फोन से पल भर में संदेश दुनिया के किसी भी कोने में पहुंच जाते हैं, वहां एक प्राचीन संचार माध्यम अभी भी जीवित है 'कैरियर पिजन सर्विस'। यह कोई काल्पनिक कहानी नहीं, बल्कि वास्तविकता है। ओडिशा पुलिस की कैरियर पिजन सर्विस दुनिया की एकमात्र ऐसी पुलिस फोर्स है जो इस विरासत को आज भी संरक्षित रखे हुए है। यह सेवा न सिर्फ इतिहास की याद दिलाती है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं में जब आधुनिक संचार व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है, तब एक विश्वसनीय बैकअप के रूप में काम आती है। एक ऐसा माध्यम जो हजारों वर्षों से मानव सभ्यता का अभिन्न अंग रहा है।

'कैरियर पिजन' या 'होमिंग पिजन' का इतिहास प्राचीन काल से जुड़ा है। मिस्र में लगभग 3000 ईसा पूर्व से ही कबूतरों को संदेशवाहक के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। फारस, यूनान और रोमन साम्राज्य में इनकी व्यापक उपयोगिता थी। यूनानियों ने ओलंपिक खेलों के परिणाम इन कबूतरों के जरिए शहर-दर-शहर पहुंचाए। चंगेज खान ने अपने विशाल साम्राज्य में 'पिजन नेटवर्क' स्थापित किया। मध्यकाल में यूरोप के युद्धों और मध्य पूर्व के व्यापारियों ने इनका सहारा लिया। भारत में भी यह परंपरा बहुत पुरानी है। चंद्रगुप्त मौर्य के काल में फारसी प्रभाव से 'पिजन पोस्ट' शुरू हुई थी। मुगल और ब्रिटिश काल में पुलिस और सेना दोनों ने इसका इस्तेमाल किया। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में 'कैरियर पिजनों' ने जान भी बचाई, फ्रांस में 'चेर आमी' नामक कबूतर ने 194 अमेरिकी सैनिकों की जान बचाई थी। भारत में भी ब्रिटिश काल से पुलिस स्टेशनों के बीच संचार के लिए 'पिजन सर्विस' चली आ रही थी।

लेकिन आज की बात करें तो ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे-धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब-डिवीजनों, सर्कलों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 'पिजन लॉफ्ट' सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे। हर लॉफ्ट पर एक इंस्पेक्टर, तीन सब-इंस्पेक्टर, एक सहायक सब-इंस्पेक्टर और 35 कांस्टेबल तैनात थे। यह सेवा न सिर्फ सामान्य संचार, बल्कि चुनावों और आपदाओं में भी काम आई। 1976-77 के चुनावों और 1982 के 'फ्लैश फ्लड्स' में जब सड़कें-ब्रिज बह गए और वायरलेस-टेलीफोन फेल हो गए, तब इन कबूतरों ने सरकारी संदेश पहुंचाए।

सबसे रोचक घटना 13 अप्रैल 1948 की है। तब भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू संबलपुर, ओडिशा में थे। उन्हें 265 किलोमीटर दूर कटक में तत्काल निर्देश भेजने थे, सुबह 6 बजे नेहरू का हस्तलिखित संदेश लेकर एक 'कैरियर पिजन' उड़ा। ठीक 11:20 पर, यानी महज 5 घंटे 20 मिनट में, वह कटक पहुंच गया। जब नेहरू खुद कटक पहुंचे तो अपना मूल संदेश और वही कबूतर देखकर दंग रह गए, वे हैरान और प्रसन्न थे। यह घटना ओडिशा पुलिस की 'पिजन सर्विस' की विश्वसनीयता का जीवंत प्रमाण है।

1954 में दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय डाक प्रदर्शनी में इन कबूतरों का प्रदर्शन किया गया। 1989 में तत्कालीन राष्ट्रपति आर। वेंकटरामन जब कटक आए तो इन कबूतरों को देखकर मुग्ध हो गए। 1999 के 'सुपर साइक्लोन' में जब तटीय इलाकों में संचार लाइनें पूरी तरह ठप हो गईं, तब इन कबूतरों ने लाज रखी। इनकी गति औसतन 55 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। ये एक बार में 400-500 किलोमीटर उड़ने की क्षमता रखते हैं। 'बेल्जियन होमर' नस्ल के ये कबूतर चुंबकीय क्षेत्र का पता लगाकर अपने घोंसले तक आसानी से पहुंच जाते हैं।

2008 में आधुनिक संचार के चलते इसे औपचारिक रूप से बंद कर दिया गया। लेकिन ओडिशा पुलिस ने इसे पूरी तरह खत्म नहीं होने दिया। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के आदेश पर दो 'लॉफ्ट' अभी भी बरकरार रखे गए, एक कटक में ओडिशा पुलिस मुख्यालय पर 105 'बेल्जियन होमर पिजन' और दूसरा अंगुल के पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज पर 44 पिजन। कुल लगभग 150 प्रशिक्षित कबूतर आज भी सेवा में हैं। अब इन्हें सिर्फ सांस्कृतिक और औपचारिक उपयोग के लिए रखा गया है। ये कबूतर गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस की परेड में शांति, प्रेम और स्वतंत्रता का संदेश लेकर उड़ते हैं। हाल ही में भुवनेश्वर में 25 कबूतरों ने 30 किलोमीटर की दूरी मात्र 29 मिनट में तय की। आज जब साइबर हमले, प्राकृतिक आपदाएं और इमरजेंसी में मोबाइल नेटवर्क फेल हो जाते हैं, तब यह सेवा सिर्फ विरासत नहीं, बल्कि सुरक्षा की गारंटी है। ओडिशा पुलिस के स्पेशल डीजी (कम्युनिकेशंस) अरुण रे के अनुसार, यह भारत का सबसे अच्छा रखा गया राज है। गौरतलब है कि सीएजी ने इसकी लागत पर आपत्ति जताई थी, लेकिन मुख्यमंत्री ने साफ कहा, विरासत को बचाओ। यह सेवा हमें सिखाती है कि प्रगति का मतलब पुरानी चीजों को फेंकना नहीं, बल्कि उन्हें संभाल कर रखना है। आज युवा पीढ़ी स्मार्टफोन पर जीती है, लेकिन जब वे इन कबूतरों को उड़ते देखते हैं तो इतिहास जीवंत हो उठता है। ऐसे में यदि स्कूलों-कॉलेजों व अन्य कार्यकर्मों में इनका प्रदर्शन करवाया जाए, तो न सिर्फ़ नई पीढ़ी को बरसों पुरानी विरासत जानने का मौका मिलेगा बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिले। ड्रोन और सैटेलाइट के युग में भी ये पंख वाले डाकिया हमें याद दिलाते हैं कि प्रकृति की शक्ति आज भी अजेय है। ओडिशा पुलिस की यह पहल दुनिया के लिए मिसाल है। अमेरिका, यूरोप या एशिया की कोई अन्य पुलिस फोर्स आज ऐसा नहीं कर रही। यह सिर्फ ओडिशा का गौरव नहीं, बल्कि पूरे भारत की सांस्कृतिक विरासत है। हमें इसे और मजबूत करना चाहिए। ज्यादा 'लॉफ्ट', ज्यादा प्रशिक्षण, ज्यादा जागरूकता किया जाए। क्योंकि संचार सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि विश्वास और विश्वसनीयता का मामला है। जब आधुनिक दुनिया इंस्टेंट मैसेजिंग पर निर्भर है, तब ये उड़नहार संदेशवाहक हमें सिखाते हैं कि कुछ चीजें कभी पुरानी नहीं होतीं, वे सिर्फ विरासत बन जाती हैं। ओडिशा पुलिस की 'कैरियर पिजन सर्विस' इसी विरासत का जीवंत प्रतीक है। इसे बचाए रखना हमारी जिम्मेदारी है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इन पंखों की उड़ान में इतिहास को महसूस कर सकें।

मेष राशि- आज आप एनर्जेटिक रहेंगे। इंजीनियर्स को आज अच्छा प्रोजेक्ट मिलेगा जो उनके जीवन का अहम प्रोजेक्ट होगा। आज आप उस बात का समर्थन करेंगे जो आपके लिए लाभदायक है। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, जिससे आपके सारे काम भी अच्छे ढंग से होंगे। आज बच्चों को चिड़ियाघर घुमाने ले जाएंगे, जहां बच्चे खूब आनन्द उठाएंगे।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। इस राशि के जो लोग बिजनेस करते है आज उन्हें धनलाभ होने के योग बन रहे है। जो लोग नौकरी की तलाश में उन्हें नौकरी मिलने की संभावना है। इस राशि के जो लोग कवि है आज उनकी कविता की पुस्तक प्रकाशित हो सकती है। जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी अच्छे रेस्टोरेंट में डिनर के लिए जाएंगे।

मिथुन राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज बहुत से अच्छे मौके आपका इंतजार कर रहे है। लेकिन आपको उनके लिए लगातार कोशिशें करनी होंगी। इस राशि के जिन लोगों का सिंगिंग में रुझान है आज उन्हें किसी टीवी शो में गाने का ऑफर आ सकता है। आज आप महंगी खरीददारी के बारे में भी अपना मन बना सकते हैं, लेकिन आखिरी समय में आपको निर्णय लेने में मुश्किल होगी।

कर्क राशि- आज आप काफी उत्साहित रहेंगे। अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने के लिए आज आप नया प्लान बनाएंगे। आज आपकी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से हो सकती है जो भविष्य में आपकी सहायता कर सकते है। आज सकारात्मक सोच रखकर कार्य करेंगे तो आपको सफलता जरुर मिलेगी। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

सिंह राशि- आज आपका दिन लकी रहेगा। मेडिकल स्टूडेंट्स आज अपने सीनियर्स से कुछ नया अनुभव सीखेंगे, जो उनको आने वाले जीवन में लाभ देगा। लेखकों की आत्मकथा आज पब्लिश होगी जो लोगों के द्वारा काफी पसंद की जाएगी।

कन्या राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आप अपने परिवार वालों के साथ समय बिताएंगे जिससे घर में खुशियों का माहौल रहेगा। बच्चों को ज्ञान की बातें बताएंगे जिससे बच्चे अच्छे रास्ते पर चले। आज आप जो भी काम करेंगे उसमें आपको सफलता मिलेगी।

तुला राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे, जिससे आपको आपके काम के लिए अच्छी रेटिंग मिलेगी। आज आपको धन लाभ के अवसर मिलेंगे जिससे आप खूब सारा धन कमाएंगे। आज आपके कार्यक्षेत्र और परिवार के बीच संतुलन रहेगा।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। किसी पुरानी बात को लेकर आप उलझन आ सकते है, अपने मित्र से शेयर करके आपको उस उलझन से राहत मिलेगी। आपके घर पर मेहमान मेहमान आएंगे, जिससे घर का माहौल व्यस्त रहेगा। तकनीकी क्षेत्र के स्टूडेंट्स के लिए दिन फेवरेबल रहेगा, आप नई तकनीकी सीख सकते है जो भविष्य में काम आयेगा।

धनु राशि- आज आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। आज परिवार वालों के साथ घर की साफ-सफाई में हाथ बटायेंगे। साथ ही कुछ जरुरी सामान खरीदने बाजार जा सकते हैं। आज आप घर में स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेंगे। इस राशि के नवविवाहित के लिए आज का दिन बेहतरीन है। लवमेट आज कहीं घूमने की प्लानिंग कर सकते हैं, जिससे उनके बीच चल रही अनबन दूर होगी।

मकर राशि- आज आपका दिन बहुत अच्छा रहेगा। बड़ों की सलाह आपके लिए कारगार होगी, इसलिए उनसे सलाह लेकर ही काम को करें। आपको उन लोगों से दूरी बनाकर रखनी है, जिनके विचार नकारात्मक हों। कारोबार में आ रही समस्याएं आज समाप्त होंगी।

कुंभ राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। शाम को दोस्तों से मिलने के बाद आपकी पुरानी यादें ताजा होगी। जिससे आपका मूड काफी अच्छा रहेगा। जीवनसाथी को आज सरप्राइज पार्टी देंगे, जिससे आपके बीच का प्यार ज्यादा बढ़ेगा। कार्यों को आप धैर्य पूर्वक पूरा करेंगे, जिससे आपका काम सफल होगा।

मीन राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आप अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए अपने सहयोगियों के साथ मीटिंग करेंगे। अपने बच्चों के साथ आज घर पर गेम खेलेंगे, जिससे पारिवारिक सौहार्द बढ़ेगा। आज जो भी फैसला करें काफी सोच विचार कर ही करें, हो सके तो परिवार वालों की राय जरूर लें। दोस्तों को आज डिनर कराने के लिए आप किसी रेस्टोरेंट में ले जाएंगे।

पश्चिम एशिया की जंग, मध्य-पूर्व संकट- भारत की रसोई तक पहुँचा

(लेखक-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी)

वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को एक बार फिर अस्थिर कर दिया है। ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच टकराव केवल क्षेत्रीय संघर्ष भर नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण है।खाड़ी क्षेत्र में युद्ध के कारण दुनियाँ के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक,स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बाधा उत्पन्न हो गई है। यही मार्ग विश्व के बड़े हिस्से में तेल और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करता है।इस मार्ग में व्यवधान का असर भारत के ईंधन बाजार पर सीधा पड़ा है। एलपीजी टैंकरों के फंस जाने,कच्चे तेल की कीमतों के 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंचने और गैस आपूर्ति में अनिश्चितता के कारण भारत के ऑटो- एलपीजी तथा औद्योगिक गैस बाजार में भारी दबाव पैदा हो गया है,ऐसे में घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है. नई दरों के अनुसार घरेलू एलपीजी सिलेंडर 60 रुपए और कमर्शियल सिलेंडर 115 रुपए महंगा हो गया है।स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि सरकार को 5 मार्च 2026 को आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 लागू करना पड़ा।सामान्य परिस्थितियों में यह कानून कम ही इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन मौजूदा संकट ने इसे फिर से सक्रिय करने के लिए सरकार को मजबूर कर दिया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि् दरअसल यह संकट केवल ऊर्जा बाजार का नहीं बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा और आम नागरिकों की दैनिक जरूरतों से जुड़ा हुआहै। भारत में करोड़ों परिवार रसोई गैस पर निर्भर हैं और औद्योगिक उत्पादन भी ऊर्जा आपूर्ति से सीधे जुड़ा हुआ है।ऐसे में पश्चिम एशिया की जंग भारत की रसोई और उद्योग दोनों के लिए सटीक गंभीर चुनौती बनकर सामने आई है।

साथियों बात अगर हम भारत की ऊर्जा निर्भरता: आयात पर आधारित संरचना को समझने की करें तो भारत दुनियाँ की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और इसके साथ-साथ ऊर्जा की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। लेकिन देश की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि घरेलू स्तर पर तेल और गैस का उत्पादन सीमित है। भारत अपनी कुल तेल जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। एलपीजी के मामले में भी स्थिति लगभग यही है। देश में हर साल लगभग 3 करोड़ 13 लाख टन एलपीजी की खपत होती है,जबकि घरेलू उत्पादन करीब 1 करोड़ 28 लाख टन ही है। इसका मतलब है कि लगभग 58 प्रतिशत एलपीजी आयात पर निर्भर है।इस आयात का लगभग 85 से 90 प्रतिशत हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते भारत तक पहुंचता है। यह वही समुद्री मार्ग है जो ईरान और ओमान के बीच स्थित है और खाड़ी क्षेत्र से निकलने वाले तेल और गैस का प्रमुख रास्ता माना जाता है।जब इस मार्ग में युद्ध के कारण बाधा आई तो एलपीजी टैंकरों की आवाजाही रुक गई। परिणाम स्वरूप भारत में गैस आपूर्ति की स्थिति अचानक अस्थिर हो गई।सरकार के पास मौजूद बफर स्टॉक के आधार पर देश लगभग 25 से 30 दिन तक एलपीजी की जरूरत पूरी कर सकता है, लेकिन अगर आपूर्ति लंबे समय तक बाधित रहती है तो संकट और भी बहुत गंभीर हो सकता है।

साथियों बात अगर हम कतर की एलएनजी सुविधा पर हमला और आपूर्ति संकट को समझने की करें तो, ऊर्जा संकट को और गहरा करने वाली एक अन्य घटना कतर की एलएनजी सुविधा पर हुए ड्रोन और मिसाइल हमले थे। कतर दुनियाँ के प्रमुख गैस निर्यातकों में से एक हैऔर भारत के लिए भी एलएनजी का महत्वपूर्ण स्रोत है।हमले में कतर की एलएनजी सुविधा को भारी नुकसान पहुंचा, जिसके बाद भारत की कंपनी पेट्रोनेट एलएनजी ने कतर से गैस आपूर्ति पर फोर्स मैजर घोषित कर दिया। इसका मतलब यह हुआ कि अनुबंध होने के बावजूद गैस की आपूर्ति अस्थायी रूप से रोक दी गई।इस घटना ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा के सामने एक नया संकट खड़ा कर दिया। एलएनजी और एलपीजी दोनों की आपूर्ति प्रभावित होने लगी, जिससे ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ गई। ऐसी स्थिति में सरकार के सामने दोहरी चुनौती थी एक ओर घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करना और दूसरी ओर बाजार में जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकना।

साथियों बात अगर हम आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 संकट में सरकार का सबसे बड़ा हथियार इसको समझने की करें तो, ऊर्जा संकट से निपटने के लिए सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 को लागू किया। यह कानून भारत में आवश्यक वस्तुओं केउत्पादन वितरण और व्यापार को नियंत्रित करने के लिए बनाया गया था।इस अधिनियम के तहत सरकार को यह अधिकार मिलता है कि वह किसी भी जरूरी वस्तु के उत्पादन,स्टॉक,वितरण और कीमतों पर नियंत्रण स्थापित कर सकती है। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आम जनता को आवश्यक वस्तुएं उचित कीमत पर और पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हों। इस कानून को अक्सर सरकार का ब्रह्मास्त्र कहा जाता है, क्योंकि इसके तहत सरकार को असाधारण अधिकार मिलते हैं। वह कंपनियों और व्यापारियों को निर्देश दे सकती है कि वे कितना उत्पादन करें, कितना स्टॉक रखें और किस कीमत पर बिक्री करें। पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पाद इस कानून के तहत शुरू से ही शामिल रहे हैं। हालांकि तेल क्षेत्र में इसका इस्तेमाल बहुत कम होता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने दांडी मार्च की वर्षगांठ पर विभूतियों को याद करते हुए शेयर किया संस्कृत सुभाषित

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दांडी मार्च की वर्षगांठ पर इसमें शामिल सभी विभूतियों को याद करते हुए एक संस्कृत सुभाषितम् शेयर किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 1930 में आज ही के दिन दांडी मार्च की शुरुआत हुई थी। इसमें शामिल सभी विभूतियों का श्रद्धापूर्वक स्मरण। उन्होंने संस्कृत सुभाषितम् लिखा, सत्यमेव जयति नानृतं सत्येन पन्था विततो देवयानः। येनाक्रमन्त्यृषयो ह्याप्तकामा यत्र तत्सत्यस्य परमं निधानम् ॥ इस सुभाषितम् का संदेश है कि सदैव सत्य की ही विजय होती है और असत्य का नाश होता है। इसलिए उस मार्ग का अनुसरण करना चाहिए, जिस मार्ग पर चलकर ऋषियों ने आनंद और परमसत्य की प्राप्ति की। इससे पहले, स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण अध्याय दांडी नमक सत्याग्रह की वर्षगांठ पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने महात्मा गांधी को याद किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 1930 में आज ही के दिन महात्मा गांधी जी ने दांडी सत्याग्रह शुरू किया था, जिसने हर आयु और वर्ग के भीतर स्वतंत्रता की इच्छा को और भी प्रबल बनाया। यह स्वदेशी की दिशा में उठाया गया ऐसा कदम था, जिसने स्वाधीनता आंदोलन की दिशा बदल दी। दांडी सत्याग्रह के सभी महापुरुषों को नमन करता हूं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में लिखा, महात्मा गांधी ने 1930 में आज ही के दिन अंग्रेजों के अत्याचारी नमक कानून के विरोध में साबरमती आश्रम से ऐतिहासिक दांडी नमक सत्याग्रह की शुरुआत की थी, जिसने भारतीय स्वाधीनता संग्राम को नई दिशा दी। स्वतंत्रता संग्राम के इस महत्वपूर्ण अध्याय दांडी नमक सत्याग्रह की वर्षगांठ के अवसर पर पूज्य महात्मा गांधी और सत्याग्रहियों को विनम्र अभिवादन।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा, पूज्य बापू और अमर संघर्ष के सभी सत्याग्रहियों को कोटि-कोटि नमन। साल 1930 में आज ही के दिन महात्मा गांधी के नेतृत्व में साबरमती आश्रम से आरंभ हुआ दांडी नमक सत्याग्रह भारतीय स्वाधीनता संग्राम की उस ज्योति का प्रज्ज्वलन था, जिसने जन-जन में आत्मबल और स्वराज का नया मंत्र भर दिया। बर्बर और अलोकतांत्रिक ब्रिटिश शासन की जड़ें हिलाने वाले इस अभूतपूर्व दांडी मार्च ने यह सिद्ध किया कि सत्य, साहस और सामूहिक संकल्प से साम्राज्य भी डगमगा जाते हैं।

दांडी मार्च की वर्षगांठ पर जयपुर में कांग्रेस का साइलेंट मार्च, अशोक गहलोत बोले– देश में अघोषित आपातकाल जैसे हालात

जयपुर (आरएनएस)। नमक सत्याग्रह और ऐतिहासिक दांडी मार्च की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में जयपुर में भारत सेवा संस्थान द्वारा एक साइलेंट मार्च (मौन जुलूस) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शिरकत की। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 1930 की दांडी यात्रा के ऐतिहासिक संदर्भ का जिक्र करते हुए वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा, जब अंग्रेजों ने नमक पर टैक्स लगाया था, तब महात्मा गांधी की 24 दिनों की और करीब 400 किलोमीटर लंबी यात्रा ने पूरी दुनिया को संदेश दिया था कि भारत में बड़ा आंदोलन चल रहा है। आज इस दिन को मनाने का विशेष अर्थ है क्योंकि देश में लोकतंत्र खतरे में है और अघोषित आपातकाल जैसा माहौल बन गया है। राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इस मौन जुलूस के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि यह मार्च केंद्र की सत्ता के खिलाफ एक प्रतीकात्मक विरोध है।

महाराष्ट्र में विधान भवन को बम से उड़ाने की धमकी, मीडिया को नहीं जाने दिया अंदर

मुंबई,(ए.)। महाराष्ट्र राज्य विधानसभा परिसर, विधान भवन को उड़ाने की धमकी देने वाले ईमेल के बाद गुरुवार को सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए, जिसके चलते बजट सत्र के दौरान जांच शुरू होने तक मीडियाकर्मियों और आम जनता को अंदर नहीं जाने दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को अधिकारियों को एक चिंताजनक ईमेल मिला, जिसमें दक्षिण मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित विधान भवन में बम विस्फोट की स्पष्ट चेतावनी दी गई थी। राज्य विधानसभा और विधान परिषद में गरमागरम राजनीतिक बहसों के बीच बजट पर सक्रिय रूप से विचार-विमर्श चल रहा था। अंदर मौजूद विधायक कड़ी निगरानी में कार्यवाही जारी रखे रहे, शुरुआत में उन्हें बाहरी अराजकता की जानकारी नहीं थी, क्योंकि इस खतरे ने महाराष्ट्र की विधायी संस्था के केंद्र में स्थित इस प्रतिष्ठित भवन में सामान्य आवागमन को बाधित कर दिया था।

तथ्यों से भरा, संसदीय परंपराओं के महत्व को बताया, पीएम मोदी ने की अमित शाह के भाषण की प्रशंसा

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में दिए गए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भाषण की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि इस भाषण में संसद की परंपराओं के महत्व और देश की प्रगति के लिए सामूहिक प्रयास का जिक्र था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, गृह मंत्री अमित शाह का शानदार भाषण। उनका भाषण तथ्यों से भरा हुआ है और संसदीय परंपराओं के महत्व के साथ-साथ देश की प्रगति के लिए मिलकर काम करने के महत्व को भी बताता है। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ पेश अविश्वास प्रस्ताव पर सदन में चर्चा का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि यह कोई सामान्य घटना नहीं है। लगभग 4 दशक के बाद लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आया है। उन्होंने से संसदीय राजनीति और सदन के लिए यह अफसोसजनक घटना करार दिया।

अमित शाह ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष किसी दल के नहीं होते बल्कि सदन के होते हैं और सदन के सभी सदस्यों के अधिकारों के संरक्षक होते हैं। स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना कोई साहसिक

घटना नहीं है।

उन्होंने कहा कि लगभग 13 घंटों तक पक्ष-विपक्ष ने इस पर चर्चा की है और 42 से अधिक सांसदों ने इसमें हिस्सा लिया है। स्पीकर के निर्णय को अंतिम मानने के विपरीत विपक्ष ने स्पीकर की निष्ठा पर सवालिया निशान खड़ा किया है। शाह ने कहा कि लोकसभा भारत के लोकतंत्र की सबसे बड़ी पंचायत है और न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया में हमारे लोकतंत्र की एक साख बनी है और पूरी दुनिया इसे स्वीकार करती है। जब इस पंचायत के मुखिया की निष्ठा पर सवालिया निशान लगता है तो सिर्फ देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े होते हैं।

अमित शाह ने कहा कि हम भी विपक्ष में रहे हैं और उस दौरान तीन बार स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आया, लेकिन हमारी पार्टी और गठबंधन ने कभी स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया। उन्होंने कहा कि हमने रचनात्मक विपक्ष के रूप में काम किया है, स्पीकर की गरिमा का संरक्षण करने का काम किया है और स्पीकर से हमारे कानूनी अधिकारों के संरक्षण की मांग भी की है। शाह ने कहा कि हम कभी स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाए।

अपने भाषण में अमित शाह ने कहा कि लोकसभा के नियम 374 में अव्यवस्था, अनुशासनहीनता की स्थिति में स्पीकर को चेतावनी देने, नामित करने, निष्कासित करने और निलंबन का अधिकार है। उन्होंने कहा कि आंदोलन और एक्टिविस्ट को सदन में सदन के नियमों के अनुसार ही चलना पड़ेगा। शाह ने कहा कि नियम 375 के तहत गंभीर अव्यवस्था की स्थिति में सदन को स्थगित करना होता है।

फारूक अब्दुल्ला से मिलने पहुंचे सीएम उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती ने भी की हमले की निंदा

श्रीनगर (आरएनएस) । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला अपने पिता और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला पर हुए जानलेवा हमले के बाद उनसे मिलने पहुंचे हैं। बुधवार देर रात एक शादी

समारोह में फारूक अब्दुल्ला पर हमला हुआ था। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने भी इस हमले पर चिंता जताई और कहा कि यह जानकर राहत मिली कि वह सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला गुरुवार सुबह अपने पिता फारूक अब्दुल्ला के घर पहुंचे। गोलीबारी की घटना के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला के आवास पर पहले से ही सुरक्षा कड़ी कर दी गई। वहीं, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, फारूक अब्दुल्ला साहब पर हुए गंभीर हमले के बारे में सुनकर हैरान हूं। यह जानकर राहत मिली कि वह सुरक्षित और ठीक हैं। उम्मीद है कि पुलिस इस सुरक्षा चूक की तह तक पहुंचेगी। इससे पहले, कांग्रेस नेता गुलाम अहमद मीर ने कहा कि यह गंभीर सुरक्षा चूक स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, फारूक अब्दुल्ला पर शादी समारोह में हुए जानलेवा हमले की खबर सुनकर गहरा आघात पहुंचा। यह गंभीर सुरक्षा चूक स्वीकार्य नहीं है। शुक्र है कि वह सुरक्षित हैं। इस घटना की पूरी और पारदर्शी जांच की जानी चाहिए, ताकि जिम्मेदारी तय हो सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।पीडीपी नेता वहीद उर रहमान पारा ने लिखा, फारूक अब्दुल्ला पर हुए इस निंदनीय हमले के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ।

भारत के लिए राहत की खबर... स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से पार होंगे भारतीय जहाज, जयशंकर के दखल के बाद माना ईरान

नई दिल्ली/तेहरान (आरएनएस)। दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतों को लेकर मचे हाहाकार के बीच ईरान ने भारत को खास राहत दी है। ईरान ने भारत के झंडे वाले तेल टैंकरों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की इजाजत दे दी है। जानकारी के मुताबिक ईरान ने भारत को यह सहूलियत विदेश मंत्री एस जयशंकर की दखलंदाजी के बाद दी है। जानकारी के मुताबिक हाल ही में भारत के विदेश मंत्री जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच बातचीत के बाद ईरान ने यह फैसला लिया है।

ईरान की तरफ से मिली इस राहत के बाद कथित तौर पर 2 भारतीय तेल टैंकरों पुष्पक और परिमल सुरक्षित रूप से होर्मुज से गुजरे हैं। इससे पहले एक अन्य तेल टैंकर जिसका कैप्टन भारतीय बताया जा रहा है, वह भी होर्मुज से पार हो गया है। यह जहाज युद्ध शुरू होने के बाद से इस मार्ग को पार कर भारत आने वाला पहला जहाज है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सऊदी अरब का कच्चा तेल ले जा रहा यह लाइबेरिया के झंडे वाला टैंकर दो दिन पहले होर्मुज स्ट्रेट से गुजरा और फिलहाल मुंबई पोर्ट पर रुका है।

प्रधानमंत्री कहां हैं? एलपीजी की कमी पर ध्यान देने के बजाए वे चुनाव रैलियां कर रहे हैं : राउत

मुंबई,(ए.)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने गुरुवार को केरल और तमिलनाडु में रैलियां करने के लिए पीएम मोदी की आलोचना की और उनसे व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की कमी पर ध्यान देने की मांग की। संजय राउत ने केंद्र सरकार से पश्चिम एशिया संघर्ष से भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा की मांग की। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री कहां हैं? वे केरल और तमिलनाडु में चुनाव प्रचार कर रहे हैं और वे अपने विरोधियों के खिलाफ जिन शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं, वे प्रधानमंत्री पद की गरिमा के अनुरूप नहीं हैं।राउत ने कहा कि पीएम मोदी ईरान-इजराइल संघर्ष के प्रभाव पर चर्चा नहीं कर रहे हैं। एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कमी के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। यह स्थिति लोगों में भय पैदा कर रही है। होटल और रेस्तरां बंद हो रहे हैं। मोदी सरकार ने इस पर कुछ नहीं कहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश ऐसे नेतृत्व के हाथों में है। यह घटनाक्रम गुरुवार को केरल और तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पीएम मोदी की जनसभाओं के बाद सामने आया है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी (बीच में), कोलकाता, पश्चिम बंगाल के लोक भवन में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान नए नियुक्त राज्यपाल आरएन रवि (दाएं) का स्वागत करती हुई।

वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद मुश्किलों में घिरे हार्दिक पांड्या , तिरंगे के 'अपमान' का लगा आरोप; शिकायत दर्ज

नई दिल्ली(आरएनएस)। भारत की टी20 वर्ल्ड कप जीत के जश्न के बाद स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या एक नए विवाद में घिर गए हैं। उनके खिलाफ राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई है।यह शिकायत पुणे के वकील वाजिद खान बिडकर ने की है, जिन्होंने मामले में उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने पुलिस को लिखित आवेदन सौंपकर क्रिकेटर के खिलाफ जांच और कार्रवाई की अपील की है। शिकायत बेंगलुरु के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है, जबकि एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार शिकायत पुणे के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता ने हार्दिक पांड्या के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। शिकायत में कहा गया है कि

भारत की जीत के बाद खिलाड़ियों के जश्न के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इनमें हार्दिक पांड्या कंधे पर तिरंगा लपेटकर मैदान में दौड़ते और डांस करते दिखाई दे रहे हैं।वकील का आरोप है कि एक वीडियो में पांड्या अपनी गर्लफ्रेंड के साथ मंच पर लेटे हुए दिखाई देते हैं, जबकि उस समय भी उनके कंधे पर तिरंगा लिपटा हुआ था। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस तरह का व्यवहार राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा के खिलाफ है।

13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए व्हाटसएप लाएगा नया फीचर, माता-पिता के पास होगा अकाउंट का कंट्रोल

नई दिल्ली(आरएनएस)। लोकप्रिय मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाटसएप जल्द ही बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक नया फीचर लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। कंपनी 'पैरेंट मैनेज्ड अकाउंट' नाम के फीचर पर काम कर रही है, जिसका उद्देश्य बच्चों के लिए प्लेटफॉर्म को अधिक सुरक्षित बनाना है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक यह सिस्टम खास तौर पर 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए डिजाइन किया जा रहा है। इसके तहत बच्चों का व्हाट्सएप अकाउंट उनके माता-पिता के अकाउंट से लिंक रहेगा, जिससे पैरेंट्स बच्चों की गतिविधियों पर निगरानी रख सकेंगे।

नए फीचर के आने के बाद माता-पिता को कई तरह के कंट्रोल मिलेंगे। वे यह तय कर सकेंगे कि बच्चे को कौन मैसेज भेज सकता है, किन लोगों को उसकी कॉन्टैक्ट लिस्ट में जोड़ा जा सकता है और उसे किन ग्रुप्स में शामिल किया जा सकता है। इसका मकसद बच्चों को अनजान लोगों के संपर्क से बचाते हुए सुरक्षित माहौल में मैसेजिंग की सुविधा देना है।

रिपोर्ट के अनुसार बच्चों के अकाउंट पर कुछ पाबंदियां भी लगाई जाएंगी। उन्हें ऐप के कुछ एडवांस फीचर्स इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं होगी। इनमें स्टेटस अपडेट, चैनल्स और Meta AI से जुड़े फीचर्स शामिल नहीं होंगे।

इसके अलावा, प्लेटफॉर्म में अतिरिक्त सुरक्षा उपाय भी जोड़े जा सकते हैं। यदि किसी अनजान या संदिग्ध व्यक्ति से मैसेज आता है तो उसे अलग फोल्डर में भेज दिया जाएगा। माता-पिता इन मैसेज को देख सकेंगे और जरूरत पड़ने पर उस व्यक्ति को ब्लॉक भी कर पाएंगे।

क्यों जरूरी है ऐसा फीचर

1. आजकल कम उम्र के बच्चे भी तेजी से स्मार्टफोन और इंटरनेट का इस्तेमाल करने लगे हैं। ऐसे में उनकी ऑनलाइन सुरक्षा एक बड़ी चिंता बनती जा रही है।

2. WhatsApp का यह कदम माता-पिता को यह भरोसा देने की कोशिश है कि उनके बच्चे एप का इस्तेमाल सुरक्षित तरीके से कर रहे हैं।

3. रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी इस फीचर को धीरे-धीरे रोलआउट करेगी और आने वाले महीनों में इसे अलग-अलग देशों में उपलब्ध कराया जा सकता है।

दांडी मार्च की वर्षगांठ पर जयपुर में कांग्रेस का साइलेंट मार्च.....आज देश में अघोषित आपातकाल

जयपुर,(ए.)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में दांडी मार्च की वर्षगांठ पर भारत सेवा संस्थान द्वारा आयोजित साइलेंट मार्च में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। इस मौन जुलूस का उद्देश्य गांधीजी के 1930 के नमक सत्याग्रह और दांडी यात्रा की याद को जीवित रखना था। पूर्व सीएम गहलोत ने कहा कि जैसे गांधीजी की 24 दिनों और 400 किलोमीटर लंबी यात्रा ने तब अंग्रेजों को चुनौती दी थी, आज भी लोकतंत्र खतरे में है और देश में अघोषित आपातकाल जैसा माहौल बना है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा ने स्पष्ट किया कि यह मार्च केंद्र सरकार के खिलाफ प्रतीकात्मक विरोध है और यह संदेश देता है कि भारत 144 करोड़ देशवासियों का है, न कि किसी एक पार्टी या तानाशाह सरकार का। साइलेंट मार्च में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर शांतिपूर्ण रूप से मार्च किया और गांधीवादी मूल्यों पर चलने का संकल्प लिया। आयोजन के माध्यम से लोकतंत्र, जनता की आवाज और नागरिक अधिकारों की अहमियत को रेखांकित किया गया।

देश के कई हिस्सों में आग लगने की घटनाओं ने मचाई अफरा-तफरी, हजारों लोग बेघर

नई दिल्ली (आरएनएस)। गुरुवार को दिल्ली और गुजरात सहित देश के विभिन्न हिस्सों में हुई अग्निकांड की घटनाओं ने आम जनमानस को दहशत में डाल दिया। हालांकि, राहत एवं बचाव कार्यों द्वारा आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन इन हादसों ने हजारों परिवारों के सामने संकट खड़ा कर दिया है। जहां कई लोग झुलसने के कारण अस्पतालों में उपचाराधीन हैं, वहीं अनेक परिवारों के सिर से आशियाना छिन गया है। दिल्ली के मटियाला इलाके में देर रात मच्छी मार्केट के पास लगी भीषण आग ने करीब 400 झुग्गियों को राख कर दिया। यह आग रात 11:54 बजे रिपोर्ट की गई थी और 25 फायर टेंडरों की मदद से सुबह 3:25 बजे तक काबू पा लिया गया। इलाके में रहने वाले लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। एक स्थानीय महिला ने बताया, मुझे नहीं पता आग कैसे लगी। मैं उस समय बच्चों के साथ अस्पताल गई हुई थी, मैं यहां नहीं थी। हमारी सारी चीजें जल गईं, सब कुछ खत्म हो गया। हम बहुत गरीब है न हमारे सिर पर अब छत है और न खाने के लिए खाना।एक अन्य महिला ने बताया, इस आगजनी में हमारा सब कुछ जलकर राख हो गया। कुछ भी नहीं बचा है। पता नहीं कौन आग लगाकर चला गया और दमकल की गाड़ियां भी एक घंटे बाद आई, जिससे सब कुछ खत्म हो गया। अब हम सब भूखे-प्यासे पड़े हैं।इसी तरह, दिल्ली के मंसाराम पार्क इलाके में भी बुधवार देर रात अचानक आग लग गई। पीएस बिंदापुर को रात 11¬57 बजे इस आग की सूचना मिली। पुलिस और फायर ब्रिगेड ने तेजी से कार्रवाई करते हुए वहां रहने वाले लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। मौके पर करीब 28 फायर टेंडर पहुंचे और रात 3 बजे तक आग पर काबू पाया गया। सौभाग्य से इस आग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन करीब 80 झुग्गियां पूरी तरह जल गईं।

अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने एक नई 'चतुरंगिणी' व्यवस्था बनाने का ऐलान किया

लखनऊ (ए)। उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने एक नई 'चतुरंगिणी' व्यवस्था बनाने का ऐलान किया। यह घोषणा उन्होंने कांशीराम स्मृति उपवन में 40 दिन चली गौ प्रतिष्ठार्थ धर्मयुद्ध यात्रा के समापन के मौके पर की। शंकराचार्य ने कहा कि संत समाज गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करेगा और बताएगा कि जो लोग गाय की रक्षा के पक्ष में खड़े हैं, जनता को उनका समर्थन करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अभियान किसी राजनीतिक दल के समर्थन के लिए नहीं होगा, बल्कि लोगों को तथ्यों और धर्म के आधार पर जागरूक करने का प्रयास होगा। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित 'चतुरंगिणी' व्यवस्था चार वर्गों से मिलकर बनेगी—सन्यासी, वैरागी, उदासीन और सामान्य अनुयायी। इस व्यवस्था का उद्देश्य गो-संरक्षण और धर्म-संस्कृति की रक्षा के लिए संगठित रूप से कार्य करना है। साथ ही इसमें शामिल होने वाले हर व्यक्ति का पुलिस सत्यापन भी कराया जाएगा, ताकि किसी प्रकार की गलत गतिविधि या अवांछित तत्वों की भागीदारी न हो सके। शंकराचार्य ने बताया कि यात्रा के समापन के बाद अब 52 दिन तक 'ज्ञान यज्ञ' आयोजित किया जाएगा। इसमें संत समाज गांव-गांव जाकर लोगों को धर्म, सत्य और संस्कृति का संदेश देगा। इसके बाद 81 दिनों की 'गविष्ठि परिक्रमा यात्रा' निकाली जाएगी, जो 3 मई को गोरखपुर से शुरू होकर 23 जुलाई को वहीं समाप्त होगी। 24 जुलाई को संत और अनुयायी फिर से लखनऊ के कांशीराम स्मृति उपवन में एकत्र होने वाले है। कार्यक्रम के दौरान शंकराचार्य ने सरकार पर भी सवाल उठाकर कहा कि गो-संरक्षण के लिए बजट बड़ा रखा गया है, लेकिन जमीनी स्तर पर अपेक्षित परिणाम दिखाई नहीं देते। उन्होंने कहा कि संत समाज राजनीति नहीं करता, लेकिन जब शासक गलत दिशा में जाता है तो उसे सही मार्ग दिखाना संतों का कर्तव्य होता है।

द 50 से बाहर होने के बाद निक्की तंबोली ने की क्रिप्टिक पोस्ट, बोलीं-फेक कमेंट्स खरीदने से अच्छा है, अपनी रिस्पेक्ट खरीद लो

निक्की तंबोली कुछ दिन पहले ही रियलिटी द 50' से बाहर हुईं। हाल ही में उनके बॉयफ्रेंड अरबाज पटेल भी शो से बाहर हो गए। अब शो में कुछ इंफ्लुएंसर, टीवी आर्टिस्ट बाकी रह गए हैं। अपनी हालिया पोस्ट में बिना किसी का नाम लिए निक्की तंबोली ने द 50' के कुछ प्रतियोगियों पर निशाना साधा है। जानिए, अपनी पोस्ट में निकी तंबोली ने क्या कहा? और कौन से प्रतियोगी पर वह निशाना साधा रही हैं।

निकी तंबोली ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की है। इसमें वह लिखती हैं, मेरी पोस्ट पर फेक कमेंट्स करवाने से ज्यादा मेहनत अगर अपनी लाइफ पर करते तो शायद कोलेबोरेशंस से जिंदगी नहीं चलती। मेरी पोस्ट पर फेक कमेंट्स खरीदने से अच्छा है, अपनी रिस्पेक्ट खरीद लो। शायद ज्यादा काम आ जाए।' वह आगे लिखती हैं, गुस्सा जायज है। घाव गहरे थे।'

निक्की तंबोली ने अपनी पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि वह टीवी एक्टर प्रिंस नरुला और टीवी पर्सनालिटी शिव ठाकरे पर निशाना साध रही हैं। यह दोनों इस वक्त द 50' शो का हिस्सा हैं। जब निक्की और उनका बॉयफ्रेंड शो में थे तो शिव ठाकरे और प्रिंस नरुला से कई बार झगड़ा हुआ।

द 50' शो में विनर बनने की दौड़ में शिव ठाकरे आगे दिख रहे हैं। इनके अलावा प्रिसं नरुला का नाम भी विनर के तौर पर सामने आ रहा है। दर्शक इन दोनों को काफी पसंद कर रहे हैं। द 50' शो की बात करें तो इसमें लगभग 50 प्रतियोगी शामिल हुए थे। जिसमें कुछ एक्टर, इंफ्लुएंसर, स्पोर्ट्स पर्सन थे। अब तक कई लोग शो से बाहर हो चुके हैं। यह रियलिटी शो जीयो हॉटस्टार पर और कलर्स चैनल पर टेलीकास्ट होता है।

रिलीज से पहले धुरंधर 2 का भौकाल, हाथों-हाथ बिके 31सौ के भी टिकट, एडवांस बुकिंग में ही कर डाली सॉलिड कमाई

रणवीर सिंह की धुरंधर 2 के लिए लोगों की एक्साइटमेंट पीक पर है. इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते है कि इसके 18 मार्च को होने वाले पेड प्रीव्यू शो के लिए ही धुआंधार एडवांस बुकिंग हो रही है. यहां तक कि महंगे टिकट भी हाथों हाथ बिक रहे हैं. चलिए यहां जान लेते है कि धुरंधर 2 ने फिलहाल पेड प्रीव्यू शो के लिए हो रही एडवांस बुकिंग में कितना कलेक्शन कर डाला है?

धुरंधर 2 के पिछले हफ्ते रिलीज हुए ट्रेलर के बाद से इसके पेड प्रीव्यू शोज की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई थी. दिलचस्प बात ये है कि इसे प्री टिकट सेल में उम्मीद से कई गुना ज्यादा शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है. धुरंधर- द रिवेंज एक पैन-इंडिया फिल्म है, जो हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज हो रही है.

बता दे कि फिल्म ने अब तक पूरे भारत में 8,337 शो के लिए 3.48 लाख टिकट बेचे हैं. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, इसी के साथ ये फिल्म अब तक अपनी प्रीमियर एडवांस बुकिंग से 18.64 करोड़ कमा चुकी है. फिल्म ट्रैकर के मुताबिक, हिंदी (2डी) वर्जन में धुरंधर 2 7,951 शो में 3.23 लाख टिकट बेचकर सबसे ज्यादा 18.16 करोड़ की कमाई की है. वहीं हिंदी डॉल्बी सिनेमा फॉर्मेट ने 203 टिकट से 1.57 लाख और कमा लिए हैं. डब वर्जन की बात करें तो इसने तमिल (2डी) में 15,385 टिकटों से 23.58 लाख कमाए हैं.इसके बाद तेलुगु (2डी) ने 7,827 टिकटों से 18.54 लाख, कन्नड़ (2डी) वर्जन ने 479 टिकटों से 2.04 लाख और मलयालम (2डी) वर्जन ने एडवांस सेल से 934 टिकटों से 2.25 लाख कमाए हैं.धुरंधर 2 के पेड प्रीव्यू के शानदार रिस्पॉन्स को देखते हुए आईएनओएक्स, सिनेपोलिस और पीवीआर जैसी बड़ी सिनेमा चेन ने धुरंधर 2 के पेड प्रीव्यू के ज़रिए नई प्रीमियम कैटेगरी शुरू की हैं. पूरे भारत में इन शो सबसे ज्यादा महंगे टिकट मुंबई के बोरीवली में स्काई सिटी मॉल के आईनॉक्स मेगाप्लेक्स में बिके हैं. यहां रिक्लाइनर प्राइम कैटेगरी में 3,100 रुपये की कैटेगरी भी सोल्ड आउट हो चुकी है.बता दें कि आदित्य और लोकेश धर के बी62 स्टूडियोज़ और ज्योति देशपांडे के जियो स्टूडियोज़ ने मिलकर धुरंधर 2 बनाई है. इसमें रणवीर, संजय दत्त, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी और सारा अर्जुन पहले पार्ट के अपने किरदारों को दोहराते हुए नजर आएंगे. इसका पहला पार्ट धुरंधर घरेलू बॉक्स ऑफ़िस पर अब तक की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली भारतीय फ़िल्म बन गई, जिसने 890 करोड़ रुपये से ज़्यादा कमाए, और दुनिया भर में चौथी सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली भारतीय फ़िल्म बन गई, जिसने 1300 करोड़ रुपये से ज़्यादा कमाए थे.

भावना अजवानी की जगह अब निधी शेट्टी बनेगी प्रेरणा, प्रेम पर डोरे डाल छीनेगी राही का पति

टीवी के पॉपुलर सीरियल अनुपमा ने दर्शकों के दिलों-दिमाग पर कब्जा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। रुपाली गांगुली स्टारर अनुपमा में आए दिन ऐसे-ऐसे महाट्विस्ट आ रहे हैं, जिसने लोगों की एक्साइटमेंट भी सातवें आसमान पर पहुंचा दी है। रुपाली गांगुली स्टारर अनुपमा में लीप आने वाला है, जिसके बाद शो की कहानी ही नहीं, बल्कि कास्ट में भी काफी बदलाव देखने को मिलेगा। सीरियल में जहां सचिन त्यागी की एंट्री होने वाली है। वहीं अब अनुपमा में प्रेरणा की जगह भी एक नई एक्ट्रेस की एंट्री हुई है, जो शो में दिलचस्प मोड़ के साथ कदम रखती दिखाई देगी। अनुपमा में होने वाले इन बदलावों ने दर्शकों की उत्सुकता को भी दोगुना कर दिया है।

अनुपमा में जहां पहले प्रेरणा का किरदार भावना अजवानी अदा कर रही थीं। वहीं अब रुपाली गांगुली स्टारर अनुपमा में प्रेरणा की जगह एक्ट्रेस निधी शेट्टी कदम रखेंगी। निधी शेट्टी को आखिरी बार इशिका शाही की वेब सीरीज जब जोडियेक्स मेट में देखा गया था। इस सीरीज में उन्होंने जिया का किरदार अदा किया था। वहीं अब निधी शेट्टी प्रेरणा बनकर अनुपमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। हालांकि अभी तक शो से भावना अजवानी के जाने की वजह सामने नहीं आई है। वहीं दूसरी ओर निधी शेट्टी ने भी अनुपमा में एंट्री को लेकर कोई चुप्पी नहीं तोड़ी है।

रुपाली गांगुली स्टारर अनुपमा में सचिन त्यागी तो कदम रख ही रहे हैं। वहीं उनके साथ-साथ सीरियल में 3 इडियट्स फेम दुष्यंत वाघ भी कदम रखते नजर आएंगे। खबरों की मानें तो वह शो में सचिन त्यागी के साथ नजर आएंगे। हालांकि दुष्यंत वाघ के किरदार से पर्दा उठना अभी बाकी है। बता दें कि लीप के बाद अनुपमा गोवा में अपने नए सफर की शुरुआत करेगी। वहीं दूसरी ओर कोठारी परिवार में सत्ता पराग की जगह गौतम के हाथ में चली जाएगी। अब ये देखना दिलचस्प रहेगा कि ये कहानी आगे चलकर क्या मोड़ लेगी।

भूत बंगला का नया पोस्टर आया सामने, उल्टे लटके दिखे अक्षय; आज रिलीज होगा टीजर?

अक्षय कुमार ने अपने करियर में कई हिट हॉरर-कॉमेडी फिल्में दी हैं। अब उनकी फिल्म भूत बंगला भी जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। हाल ही में मेकर्स ने इसका नया पोस्टर शेयर करते हुए इसकी टीजर रिलीज डेट भी शेयर की है।

अक्षय ने फिल्म का नया मोशन पोस्टर अपने सोशल मीडिया अकांउट पर साझा किया। इस पोस्टर में एक्टर पेड़ से उल्टे लटके हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही उनके दूसरी तरफ एक चमगादड़ भी लटका हुआ है।

पीछे अंधेरा और घना जंगल नजर आ रहा है। वहीं एक पुरानी सी हवेली भी दिखाई दे रही है। क्योंकि यह एक हॉरर-कॉमेडी है ऐसे में अक्षय कॉमिक अंदाज में नजर आ रहे हैं।

अक्षय कुमार के इस सोशल मीडिया पोस्ट के मुताबिक फिल्म भूत बंगला का टीजर आज रिलीज होगा। अक्षय ने अपनी इस पोस्ट को कैप्शन देते हुए लिखा- जब तक फिल्म का टीजर नहीं आ जाता, तब तक इसी तरह लटका हुआ हूं।

'भूत बंगला' का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, तब्बू और परेश रावल भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके साथ ही फिल्म में राजपाल यादव और मिथिला पालकर भी अहम किरदारों में होगें। अभी मेकर्स की तरफ से कास्ट की कोई जानकारी सामने नहीं आई। यह फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

एक्ट्रेस पूर्णा की फिल्म डार्क नाइट की रिलीज़ डेट अनाउंस

डार्क नाइट ने अपनी रिलीज़ अनाउंस कर दी है। एक्ट्रेस पूर्णा डार्क नाइट नाम की एक इमोशनल एंटरटेनर में काम कर रही हैं। लेटेस्ट जानकारी के मुताबिक, मेकर्स ने फिल्म की रिलीज़ अनाउंस कर दी है। फिल्म 13 मार्च 2026 को रिलीज़ होगी।जीआर. आदित्य के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में त्रिगुन, वीरधार्थ, सुभाश्री रायगुरु अहम रोल में हैं। मिस्किन इसके म्यूजिक डायरेक्टर हैं और इसे पटलोला वेंकट रेड्डी ने पी19 स्टूडियोज़ के बैनर तले प्रेजेंट किया है। फिल्म को सुरेश रेड्डी कोव्वुरी ने प्रोड्यूस किया है। पूर्णा ने हेमा का किरदार निभाया है, जो कहानी को आगे बढ़ाने वाला एक अहम रोल है। कहानी चार मेन किरदारों की ज़िंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनके इमोशन, राज़ और झगड़े धीरे-धीरे सामने आते हैं, जिससे एक टेंशन वाली और दिलचस्प कहानी बनती है।

बॉक्स ऑफिस पर द केरल स्टोरी 2 का 12वें दिन बढ़ी कमाई, अस्सी और ओ रोमियो का बुरा हाल

फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' को रिलीज हुए 12 दिन हो चुके हैं लेकिन यह फिल्म अब तक 50 करोड़ रुपये की कुल कमाई भी नहीं कर सकी है। वहीं फिल्म 'अस्सी' और 'ओ रोमियो' की कमाई भी अब घटने लगी है। जानिए, मंगलवार को इन फिल्मों ने कितनी कमाई की है। सैकनिल्क के अनुसार फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' ने मंगलवार को 2.12 करोड़ रुपये कमाए हैं। जबकि सोमवार को इस फिल्म ने 1.95 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म का कुल कलेक्शन भी अब तक 36.97 करोड़ रुपये है। मंगलवार को इस फिल्म के कलेक्शन में इजाफा हुआ है लेकिन अब तक यह 50 करोड़ रुपये का कुल कलेक्शन भी पार नहीं कर सकी।

सैकनिल्क के अनुसार फिल्म 'अस्सी' का कलेक्शन रिलीज के 19वें दिन सिर्फ 12 लाख रुपये हुआ। अठारहवें दिन भी इस फिल्म ने 12 लाख रुपये ही कमाए थे। 'अस्सी' का कुल कलेक्शन भी अब तक 10.59 करोड़ रुपये हो चुका है। इस फिल्म का कलेक्शन लाखों में सिमट गया है।

फिल्म 'ओ रोमियो' को रिलीज हुए 26 दिन हो चुके हैं। शाहिद कपूर की इस फिल्म ने मंगलवार को 41 लाख रुपये कमाए हैं। जबकि सोमवार को इसका कलेक्शन 35 लाख रुपये था। फिल्म अब तक 100 करोड़ क्लब का हिस्सा भी नहीं बन सकी है। इसका कुल कलेक्शन अब तक 70.76 करोड़ रुपये हुआ है।

विक्रांत कर्ण स्टारर पैन-इंडियन फिल्म नागबंधनम की पहला गाना नमो रे का प्रोमो रिलीज़

विक्रांत कर्ण की फिल्म नागबंधनम सभी का ध्यान खींच रही है। इस पैन-इंडियन फिल्म को अभिषेक नामा ने डायरेक्ट किया है और किशोर अन्नापुरेड्डी और निशिता नागिरेड्डी ने निक स्टूडियोज़ के बैनर तले इसे शानदार तरीके से प्रोड्यूस किया है। मेकर्स ने पहले सिंगल, नमो रे का प्रोमो रिलीज़ किया और इसने तुरंत सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरा गाना 15 मार्च को सुबह 11=11 बजे लॉन्च किया जाएगा। नमो रे भगवान नारायण को एक भक्ति श्रद्धांजलि है और इसमें आध्यात्मिक धुन का इस्तेमाल किया गया है। गणेश आचार्य और श्रृष्टि वर्मा द्वारा कोरियोग्राफ किए गए इस गाने में 1,000 से ज़्यादा डांसर्स ने काम किया है।

पवन कल्याण की एक्शन फिल्म उस्ताद भगत सिंह की रिलीज डेट बदली, अब 19 मार्च को देगी दस्तक

साउथ सिनेमा के स्टार पवन कल्याण की बहुप्रतीक्षित आगामी एक्शन फिल्म उस्ताद भगत सिंह की रिलीज डेट में बदलाव कर दिया गया है। फिल्म को पहले 26 मार्च को रिलीज किया जाना था, लेकिन अब इसे 19 मार्च को रिलीज किया जाएगा। यह जानकारी मेकर्स ने दी। प्रोडक्शन हाउस मैथ्री मूवी मेकर्स ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्टर पोस्ट किया और अपडेट शेयर की।

उन्होंने लिखा, हमारी फिल्म उस्ताद भगत सिंह बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सेलिब्रेशन के लिए एक हफ्ते पहले आ रही है। फिल्म उस्ताद भगत सिंह 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह पोस्ट देखने के बाद फैंस के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म की कहानी, एक्शन सीक्वेंस और पवन कल्याण का दमदार परफॉर्मेंस देखने के लिए हर कोई बेताब है। हरीश शंकर द्वारा निर्देशित फिल्म 2016 की तमिल फिल्म थेरी की तमिल रीमेक बताई जा रही है। साल 2016 में एटली द्वारा निर्देशित फिल्म थेरी को दर्शकों की तरफ से शानदार प्रतिक्रिया मिली थी।

कमर दर्द से राहत और बेहतर पाचन के लिए रोज करें उत्थित पार्श्वकोणासन

रोजाना योगाभ्यास स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में महत्पवूर्ण भूमिका अदा करता है। कई लोग आम योगासन को बारे में तो जानते हैं, लेकिन उत्थित पार्श्वकोणासन के बारे में कम ही जानते हैं। इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर को कई तरह के शारीरिक लाभ मिल सकते हैं। उत्थित पार्श्वकोणासन एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ विस्तारित पार्श्व कोण मुद्रा है। यह खड़े होकर किया जाने वाला योगासन है, जो तत्वों को मिलाकर शरीर के साइड भाग को खोलता है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर के दोनों तरफ में गहरा खिंचाव आता है, जिससे कमर दर्द में राहत मिलती है और रीढ़ की हड्डी लचीली बनती है। योग विशेषज्ञों का मानना है कि रोजाना 30-60 सेकंड तक इसके अभ्यास से जीवनशैली बेहतर हो सकती है। हालांकि, इसके साथ संतुलित आहार भी लेना चाहिए।

इसको करना बेहद आसान है। इसके लिए सबसे पहले योगा मैट पर दोनों पैरों को एक दूसरे से दूर फैला लें। अब दाहिने पैर के पंजे को बाहर की तरफ घुटने से धीरे-धीरे मोड़ें और उसी मुद्रा में नीचे की ओर बैठें। फिर अपने दाएं हाथ को दाएं पैर के पास जमीन पर रखें और बाएं हाथ को ऊपर की ओर सीधा 90 डिग्री के एंगल में रखने की कोशिश करें। कुछ देर इसी मुद्रा में रहने की कोशिश करें, फिर धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं। हालांकि, शुरुआती अभ्यासकर्ताओं को इसको करने में थोड़ी दिक्कत हो सकती है, लेकिन धीरे-धीरे आदत हो जाएगी और शरीर खुलने लगेगा।

आयुष मंत्रालय ने इसको करने के फायदे पर अहम प्रकाश डाला है। उनके अनुसार, यह एक खड़ी मुद्रा वाला योगासन है, जो पेट के अंगों की मालिश करता है, पाचन में सुधार लाता है, और पैरों व रीढ़ को मजबूत करता है। इसके अलावा, शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है और रीढ़ की हड्डी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

वहीं, इससे दिमाग को शांति भी मिलती है और मानसिक तनाव से भी दूरी बनी रहती है।

इसके नियमित अभ्यास से शरीर को कई तरह के लाभ मिल सकते हैं, लेकिन शुरुआत में इसको किसी योग विशेषज्ञ की निगरानी में ही करें, और अगर आपको कोई गंभीर चोट, माइग्रेन, या हाल ही में कोई सर्जरी हुई है, तो करने से पहले डॉक्टर या योग विशेषज्ञ से सलाह लें।

केला एक प्रकृति का सुपरफूड, जो हर उम्र में रखे सेहत का ख्याल

केला भारत के सबसे प्राचीन और पोषक फलों में से एक माना जाता है। यह सिर्फ स्वादिष्ट फल नहीं है, बल्कि एक ऊर्जा-पोषण-उपचार त्रिवेणी है। आयुर्वेद के अनुसार, केला मधुर, गुरु, शीतल, बल्य, पित्त-शामक, वात-नाशक और ओज-वर्धक होता है, इसलिए इसे सर्वगुण संपन्न फल भी कहा जाता है। यह सस्ता, आसानी से उपलब्ध और हर आयु के लिए सुरक्षित है। खासकर बच्चों, छात्रों, एथलीट्स, बुजुर्गों, कमजोर व्यक्तियों, एनीमिया और पाचन कमजोरियों वाले लोगों के लिए केला तुरंत ऊर्जा देने वाला सुपरफूड है। केला खाने के कई खास तरीके हैं। अगर हल्की गैस, कब्ज या अपच हो तो केले पर चुटकीभर काला नमक डालकर खाने से आमपित्त शांत होता है और अग्नि संतुलित रहती है। थकावट या कमजोरी में गुनगुना दूध और केला अच्छा ऑप्शन है। यह मांसपेशियों के लिए पोषक माना जाता है। पेट की जलन या अल्सर में थोड़ी मिश्री के साथ केला खाना अच्छा होता है। कमजोरी महसूस हो तो केला और शहद का सेवन करें, यह शरीर में ओज बढ़ाता है और इम्युनिटी मजबूत करता है।

नींद न आने की समस्या हो तो केला और गर्म दूध बेहद फायदेमंद है, क्योंकि इसमें ट्रिप्टोफैन और मेलाटोनिन मिलकर अच्छी नींद लाते हैं। यह महिलाओं व छात्रों के लिए विशेष लाभकारी है। एथलीट्स के लिए केला काफी फायदेमंद होता है और थकान तुरंत दूर करता है। त्वचा के लिए पका केला और दही का फेस पैक बनाकर लगाने से नमी, निखार और कोमलता आती है।

आंतों की सफाई के लिए सुबह खाली पेट 1-2 केले खाने से डिटॉक्स होता है। केला गर्भवती महिलाओं के लिए भी गर्भ-पोषण फल माना गया है। यह शरीर में प्राकृतिक रूप से सेरोटोनिन बढ़ाता है, जिससे मूड अच्छा रहता है। केला हर उम्र और हर परिस्थिति में प्राकृतिक सुपरफूड है, लेकिन रात में देर से खाने या अत्यधिक मात्रा में सेवन करने से बचना चाहिए। इससे भारीपन महसूस होता है।

इधर ईरान से युद्ध.. उधर ट्रंप का नया दावं, भारत समेत इन 16 देशों पर फिर गिरेगी टैरिफ की गाज?

वॉशिंगटन ,(ए.)। वैश्विक व्यापार के मोर्चे पर एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपने हितों की रक्षा के लिए नई व्यापारिक रणनीति की घोषणा की है। इसके तहत अमेरिकी सरकार ने भारत, चीन और यूरोपीय संघ समेत 16 प्रमुख देशों के खिलाफ 'सेक्शन 301' के तहत व्यापक व्यापारिक जांच शुरू कर दी है।

दरअसल, बीते महीने 20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका देते हुए राष्ट्रीय आपातकाल कानून के तहत लगाए गए ग्लोबल टैरिफ को अवैध करार देकर रद्द कर दिया था। इसके बाद अमेरिकी सरकार ने 'ट्रेड एक्ट 1974' के सेक्शन 122 का इस्तेमाल करते हुए 150 दिनों के लिए 10 प्रतिशत का अस्थायी टैरिफ लागू कर दिया।

अब अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जैमीसन ग्रीर ने कहा है कि 'सेक्शन 301' के तहत शुरू की गई नई जांच प्रक्रिया को तेजी से पूरा किया जाएगा। प्रशासन की कोशिश है कि जुलाई में अस्थायी टैरिफ की अवधि समाप्त होने से पहले जांच पूरी कर ली जाए। इस प्रक्रिया के तहत 15 अप्रैल तक सार्वजनिक टिप्पणियां आमंत्रित की गई हैं, जबकि 5 मई के आसपास सुनवाई प्रस्तावित है।

अमेरिका का आरोप है कि ये 16 देश अपनी घरेलू उद्योगों और विनिर्माण क्षेत्र को भारी सब्सिडी देकर अनुचित लाभ पहुंचा रहे हैं। साथ ही अत्यधिक

उत्पादन कर सस्ते दामों पर अमेरिकी बाजार में उत्पाद बेच रहे हैं, जिससे वहां की स्थानीय कंपनियों को नुकसान हो रहा है।

जांच के दौरान सरकारी सब्सिडी, कम मजदूरी दर, राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों की गतिविधियां और मुद्रा नीतियों जैसे पहलुओं की भी समीक्षा की जाएगी। इस जांच के दायरे में भारत और चीन के अलावा जापान, दक्षिण कोरिया, मैक्सिको, ताइवान, वियतनाम, थाईलैंड, मलेशिया, कंबोडिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, स्विट्जरलैंड और नॉर्वे शामिल हैं। हालांकि, अमेरिका के दूसरे सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार कनाडा को इस सूची से बाहर रखा गया है।

इसी बीच अमेरिका ने बंधुआ मजदूरी (फोर्स्ड लेबर) से जुड़े उत्पादों के आयात पर रोक लगाने के लिए एक अलग 'सेक्शन 301' जांच शुरू करने का भी ऐलान किया है। इसके दायरे में 60 से अधिक देश आ सकते हैं। अमेरिका पहले ही चीन के शिनजियांग प्रांत से आने वाले सोलर पैनल समेत कई उत्पादों पर प्रतिबंध लगा चुका है। वाशिंगटन का आरोप है कि चीन ने शिनजियांग में उइगर और अन्य मुस्लिम अल्पसंख्यकों के लिए लेबर कैंप बना रखे हैं, हालांकि बीजिंग इन आरोपों को लगातार खारिज करता रहा है।

इस कदम का सीधा असर भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ सकता है। अगर जांच में भारत की व्यापारिक नीतियां अमेरिकी मानकों के अनुसार अनुचित पाई जाती हैं, तो 2026 की गर्मियों तक भारतीय उत्पादों पर नए और भारी टैरिफ लगाए जा सकते हैं। इससे अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पाद महंगे हो जाएंगे और देश के निर्यात तथा विनिर्माण क्षेत्र पर असर पड़ सकता है।इस बीच कूटनीतिक स्तर पर भी गतिविधियां तेज हो गई हैं। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट के नेतृत्व में अमेरिकी अधिकारी इस सप्ताह पेरिस में चीनी अधिकारियों से मुलाकात करने वाले हैं।

जल्द खत्म होगा ईरान-अमेरिका युद्ध!, राष्ट्रपति पेजेशकियन ने ट्रंप के सामने रखी ये तीन शर्तें

तेहरान (ए.)। ईरान और अमेरिका-इजरायल के संघर्ष ने पिछले 13 दिनों से पश्चिमी एशिया को सुलगाया हुआ है। इस बीच, ईरान की ओर से युद्ध समाप्ति की दिशा में सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। ईरानी सरकार ने संघर्ष को खत्म करने के लिए तीन महत्वपूर्ण शर्तें रखी हैं।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने शर्तें बताते हुए कहा कि किसी भी प्रस्ताव में ईरान के कानूनी अधिकारों को मान्यता दी जानी चाहिए और यह गारंटी दी जानी चाहिए कि भविष्य में देश पर कोई हमला नहीं होगा। साथ ही, युद्ध के दौरान हुए नुकसान की भरपाई के लिए मुआवजे की भी मांग की गई है।

पेजेशकियन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए लिखा, रूस और पाकिस्तान के नेताओं से बात करके, मैंने इस इलाके में शांति के लिए ईरान के वादे को फिर से पक्का किया। यहूदी शासन और अमेरिकी सरकार द्वारा शुरू की गई इस लड़ाई को खत्म करने का एकमात्र तरीका ईरान के कानूनी अधिकारों को मान्यता देना, हर्जाना देना और भविष्य में हमलों के खिलाफ पक्की अंतर्राष्ट्रीय गारंटी प्रदान करना है।

ईरान ने संघर्ष को समाप्त करने के लिए अपनी स्थिति को और अधिक स्पष्ट किया है, जो अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति में महत्वपूर्ण मोड़ ला सकता है।

ट्रंप ने ईरान के खिलाफ जीत का फिर किया दावा, बोले- हम 1 घंटे में खत्म कर सकते हैं तेहरान की विद्युत क्षमता

वाशिंगटन(ए.)। ईरान के साथ अमेरिका और इजरायल का संघर्ष अब भी जारी है। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान पूरी तरह से खत्म हो रहा है। मैरीलैंड में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि वर्तमान में चल रहे हालात पर उनकी कड़ी नजर बनी हुई है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी सेना एक घंटे के अंदर तेहरान की विद्युत क्षमता को खत्म कर सकती है।

ईरान के खिलाफ अपनी जीत का दावा करते हुए अमेरिकी राष्ट्पति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, युद्ध के मोर्चे पर हमारे पास बहुत अच्छी खबर है। यानी, वे पूरी तरह से खत्म हो रहे हैं। ईरान पूरी तरह से खत्म हो रहा है। वे (ईरान) लगभग आखिरी रास्ते पर हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि हम इसे तुरंत खत्म कर देंगे, लेकिन वे ऐसा कर रहे हैं। उनके पास कोई नौसेना नहीं है। उनके पास कोई एयर फोर्स नहीं है। उनके पास कोई एंटी-एयर ट्रैफिक नहीं है, कुछ भी नहीं है। उनके पास कंट्रोल का कोई सिस्टम नहीं है। हम बस उस देश पर आजादी से घूम रहे हैं।

उन्होंने कहा, अब हम संघर्ष पर बहुत ध्यान देंगे। सबसे जरूरी बात यह है कि हमें इसे जीतना है। इसे जल्दी जीतना है, लेकिन जीतना है। ज्यादातर लोग कहते हैं कि यह पहले ही जीत लिया गया है। बस सवाल यह है कि हम कब रुकेंगे? हम इसे दोबारा नहीं बढ़ने देना चाहते।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका एक घंटे में ईरान की विद्युत क्षमता को नष्ट कर सकता है। ट्रंप ने कहा, हम तेहरान और दूसरी जगहों के कुछ हिस्सों पर हमला कर सकते हैं, लेकिन अगर आप ऐसा करते हैं, तो उनके लिए अपने देश को फिर से बनाना लगभग नामुमकिन हो जाएगा, और हम ऐसा नहीं चाहते।

दवाओं के लिए चीन पर अमेरिका की निर्भरता 'खतरनाक', लॉमेकर्स और विशेषज्ञों ने जताई चिंता

वाशिंगटन(ए.)। सीनेट की चर्चा के दौरान सीनेट मेंबर्स और एक्सपर्ट्स ने चेतावनी दी कि यूनाइटेड स्टेट्स अपनी कई आम दवाओं में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल और इंग्रीडिएंट्स के लिए चीन पर बहुत ज्यादा निर्भर हो गया है और ये स्थिति

अमेरिका के लिए खतरनाक हो सकती है। उन्होंने इस समस्या को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा और आने वाला सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बताया।

बुधवार (लोकल टाइम) को सीनेट की एजिंग स्पेशल कमेटी की बैठक में लॉमेकर्स और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि कैसे दशकों से फार्मास्यूटिकल प्रोडक्शन को ऑफशोर करने से यूनाइटेड स्टेट्स सप्लाई में रुकावट और जरूरी दवाओं पर विदेशी दबाव के प्रति कमजोर हो गया है। चर्चा की शुरुआत करते हुए, कमेटी के चेयरमैन सीनेटर रिक स्कॉट ने कहा कि यह मुद्दा कुछ दवाओं से कहीं ज्यादा है। अमेरिका उन दवाओं पर निर्भर हैं जिनके मुख्य तत्व यूएस के बाहर से आते हैं।

स्कॉट ने कहा, मैं हमारे एंटीबायोटिक्स, हमारी डायबिटीज की दवाओं, हमारी ब्लड प्रेशर की दवाओं, इस देश के हर हॉस्पिटल, हर फार्मेसी और हर मेडिसिन कैबिनेट में मिलने वाली ज़रूरी जीवन रक्षक दवाओं की बात कर रहा हूं। यह समस्या कई दशकों से वाशिंगटन में पॉलिसी चुनने की वजह से पैदा हुई है, उन्होंने कहा कि यूनाइटेड स्टेट्स ने चीन को ग्लोबल फार्मास्यूटिकल सप्लाई चेन के बड़े हिस्से पर कब्जा करने दिया है।

ईरान से जंग में अमेरिका के हथियारों पर करीब 5.6 अरब डॉलर खर्च

-यूएस सेना तेजी से अपने उन्नत हथियारों के भंडार कर रही खत्म

वॉशिंगटन,(ए)। ईरान पर अमेरिकी सैन्य हमलों के पहले दो दिनों में केवल हथियारों पर ही करीब 5.6 अरब डॉलर खर्च हो गए हैं। यह आंकड़ा इस संघर्ष की भारी आर्थिक लागत को दर्शाता है जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप संकेत दे रहे हैं कि युद्ध जल्द खत्म हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह अनुमान कांग्रेस के साथ साझा की गई जानकारी पर आधारित है और इसमें अभियान के शुरुआती चरण में इस्तेमाल किए गए उन्नत हथियारों की कीमत शामिल है। इससे वॉशिंगटन में इस बात पर बहस तेज हो गई है कि अमेरिका इतनी उच्च तीव्रता वाले सैन्य अभियान को कितने समय तक जारी रख सकता है।

अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि शुरुआती हमले में पेंटागन ने करीब 5.6 अरब डॉलर केवल हथियारों पर खर्च किए। इससे कई सांसदों में चिंता बढ़ गई है कि

अमेरिकी सेना तेजी से अपने उन्नत हथियारों के सीमित भंडार को खत्म कर रही है। यह आंकड़ा केवल युद्ध के पहले दो दिनों का है। इसमें सैनिकों की तैनाती, विमान और नौसैनिक संसाधनों के रखरखाव या क्षेत्र में सैनिकों को बनाए रखने जैसे व्यापक संचालन खर्च शामिल नहीं हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह अनुमान कांग्रेस के साथ ऐसे समय साझा किया गया है जब प्रशासन सैन्य अभियान जारी रखने के लिए अतिरिक्त फंडिंग मांगने की तैयारी कर रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक अभियान शुरू होने के बाद से अमेरिकी सेना ने ईरान में हजारों हमले किए हैं। हमलों की तेज रफ्तार को लेकर कैपिटल हिल में पहले ही चिंता जताई जा रही है कि अमेरिकी सेना अपने उच्च-स्तरीय हथियारों के भंडार को तेजी से खत्म कर रही है। अधिकारियों ने यह भी चेतावनी दी कि अगर संघर्ष लंबा चला तो हथियारों का भंडार और दबाव में आ सकता है, क्योंकि अमेरिका पहले से ही यूक्रेन को हथियार देने और एशिया में सैन्य प्रतिबद्धताओं को बनाए रखने के कारण अपने संसाधनों का उपयोग कर रहा है।

कुछ अमेरिकी रक्षा योजनाकारों ने मध्य-पूर्व अभियान को बनाए रखने के लिए अन्य क्षेत्रों से संसाधन स्थानांतरित करना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक थाड मिसाइल रक्षा प्रणाली के कुछ हिस्सों को दक्षिण कोरिया से इस क्षेत्र में भेजा गया है।

खेल समाचार

T-20 वर्ल्ड कप जीत के बाद BCCI का बड़ा ऐलानः शुभमन गिल बनेंगे 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर', राहुल द्रविड़ को मिलेगा सर्वोच्च सम्मान

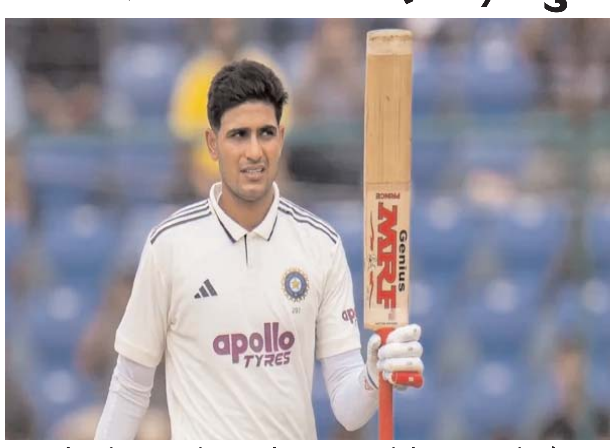

नई दिल्ली (ए.)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की ऐतिहासिक जीत के बाद सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली चैंपियन भारतीय क्रिकेट टीम का जल्द ही भव्य सम्मान होने जा रहा है। रिकॉर्ड तीसरी बार टी20 ट्रॉफी पर कब्जा जमाने वाली टीम इंडिया को भले ही इस बार पिछली जीत की तरह 'विक्ट्री परेड' का हिस्सा बनने का मौका न मिला हो, लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) इसकी शानदार भरपाई करने जा रहा है। आगामी रविवार, 15 मार्च को नई दिल्ली में BCCI के वार्षिक 'नमन' (NAMAN) अवॉर्ड्स का आयोजन किया जाएगा, जहां विश्व विजेता टीम के साथ-साथ भारतीय क्रिकेट के अन्य चमकते सितारों को भी उनके दमदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा। इस बार के नमन अवॉर्ड्स का सबसे बड़ा आकर्षण टीम इंडिया के युवा टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल रहने वाले हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2025 में उनके अविश्वसनीय प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' के सबसे बड़े खिताब से नवाजा जाएगा। कप्तान बनते ही गिल ने इंग्लैंड दौरे पर अपनी पहली ही सीरीज में बल्ले से आग उगलते हुए चार शतकों की बदौलत 754 रन बनाकर इतिहास रच दिया था। इसके अलावा चैंपियंस ट्रॉफी की खिताबी जीत में भी उनका शतक बेहद अहम साबित हुआ था।

भले ही टी20 फॉर्मेट में उनका पिछला साल बहुत खास न रहा हो, लेकिन तीनों फॉर्मेट की 42 पारियों में 49 की शानदार औसत से कुल 1764 रन ठोककर उन्होंने खुद को इस बड़े अवॉर्ड का असली हकदार साबित किया है। खिलाड़ियों के साथ-साथ इस भव्य समारोह में भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ को भी उनके अतुलनीय योगदान के लिए 'सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा। टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 'द वॉल' राहुल द्रविड़ को बतौर खिलाड़ी और कोच उनकी महान उपलब्धियों के लिए यह सर्वोच्च सम्मान दिया जा रहा है।

ईरान की फुटबॉल टीम फीफा विश्व कप में नहीं लेगी हिस्सा, खेल मंत्री ने की घोषणा

नईदिल्ली,(ए.)। आगामी 11 जून से शुरू होने वाले फीफा विश्व कप 2026 में ईरान की फुटबॉल टीम हिस्सा नहीं लेगी। दरअसल, ये टूर्नामेंट अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में खेला जाना है और ईरान ने इससे पीछे हटने का फैसला किया है। ईरान के खेल मंत्री ने अहमद

दोन्यामाली ने अमेरिका के साथ इस समय चल रहे युद्ध के बीच ये ऐलान किया है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा है।

खेल मंत्री दोन्यामाली ने कहा, यह देखते हुए कि इस भ्रष्ट सरकार (अमेरिका की) ने हमारे नेता की हत्या कर दी है, हम किसी भी हालत में फुटबॉल के विश्व कप में हिस्सा नहीं ले सकते। बता दें कि इजरायल और अमेरिका के संयुक्त हमला करने के कारण 28 फरवरी को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई की मौत हो गई थी।

हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की फुटबॉल टीम का विश्व कप में हिस्सा लेने का स्वागत किया था। दरअसल, बीते मंगलवार रात फीफा प्रेसिडेंट जियानी इन्फेंटिनो ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की थी। उस बैठक के बाद इन्फेंटिनो ने कहा, मैं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मिला।

टी-20 विश्व कप 2026 जीतने के बाद शिवम दुबे को ट्रेन से लौटना पड़ा घर

नई दिल्ली (ए.)। हाल ही में आईसीसी टी-20 विश्व कप 2026 का समापन हुआ और भारतीय क्रिकेट टीम ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इसका खिताब अपने नाम किया। 8 मार्च को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को हराकर विजेता बनी। इसके बाद सभी खिलाड़ी अपने-अपने घर रवाना हुए। इस बीच भारतीय टीम के ऑलराउंडर शिवम दुबे ने बताया कि वह अहमदाबाद से मुंबई ट्रेन से अपने घर लौटे। उन्होंने इसका कारण भी बताया।

दुबे ने बताया कि ऐसा इसलिए करना पड़ा क्योंकि उस समय सभी फ्लाइट्स बुक थीं। वे जल्दी घर पहुंचकर अपने बेटे आयान और बेटी मेहविश से मिलना चाहते थे। उन्होंने कहा, कोई फ्लाइट उपलब्ध नहीं थी, इसलिए मैंने सुबह जल्दी अहमदाबाद से मुंबई के लिए ट्रेन लेने का फैसला किया। हम सड़क से भी जा सकते थे, लेकिन ट्रेन ज्यादा तेज थी। ट्रेन में उनके साथ उनकी पत्नी अंजुम और एक दोस्त भी थे।

दुबे को पता था कि ट्रेन से यात्रा करने पर लोग उन्हें पहचान सकते हैं। उन्होंने कहा, परिवार और दोस्त सभी चिंतित थे कि अगर स्टेशन या ट्रेन में किसी ने मुझे पहचान लिया तो क्या होगा? इससे बचने के लिए दुबे ने कैप, मास्क और फुल स्लीव टी-शर्ट पहनकर खुद को छिपाने की कोशिश की। दुबे ट्रेन में 5 मिनट पहले ही चढ़े और सीधे ऊपरी बर्थ पर चले गए और ज्यादातर समय वहीं रहे।

दुबे को चिंता थी कि अगर वह मुंबई पहुंचकर बोरीवली स्टेशन पर दिन में उतरेंगे तो लोग पहचान सकते हैं। इसलिए उन्होंने मुंबई पहुंचने से पहले पुलिस से संपर्क किया। उन्होंने कहा, पुलिस को लगा कि मैं एयरपोर्ट से आ रहा हूं, लेकिन जब मैंने बताया कि मैं ट्रेन से आ रहा हूं तो वे हैरान रह गए। बाद में मुझे पुलिस का दस्ता मिला, जिससे स्टेशन से बाहर निकलना आसान हो गया।

टी-20 विश्व कप 2026 में दुबे ने भारतीय क्रिकेट टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 235 रन बनाए, उनका औसत 39.16 और स्ट्राइक रेट 169.06 रहा। उन्होंने अंत में आकर बेहतरीन पारियां खेली। इस दौरान उन्होंने नीदरलैंड के खिलाफ 31 गेंदों में 66 रन की शानदार पारी भी खेली। गेंदबाजी में उन्होंने 10.2 ओवर फेंककर कुल 5 विकेट भी लिए। हालांकि, उनका इकॉनमी रेट (14.12) महंगा रहा।

बांग्लादेश ने अपने घर पर पाकिस्तान के खिलाफ वनडे में लगातार चौथी जीत दर्ज की

नई दिल्ली (ए.)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने पहले वनडे में पाकिस्तान क्रिकेट टीम को 8 विकेट से हराते हुए 3 मैचों की सीरीज में बढ़त हासिल की। ढाका में खेले गए मैच में पाकिस्तानी बल्लेबाजों ने निराश किया और पूरी टीम 30.4 ओवर में सिर्फ 114 रन पर सिमट गई। जवाब में छोटे से लक्ष्य को बांग्लादेश ने तंजीद हसन तमीम (67*) की अर्धशतकीय पारी की मदद से हासिल किया। आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं।

टॉस हारकर पहले खेलते हुए पाकिस्तान से साहिबजादा फरहान (27) और माज सदाकत (18) के रूप में सलामी बल्लेबाज जल्दी आउट हुए। इसके बाद नाहिद राणा की घातक गेंदबाजी (5/24) के चलते पाकिस्तान के विकेटों का पतझड़ सा लग गया। निचले क्रम में फहीम अशरफ ने 37 रन बनाकर टीम का स्कोर 100 के पार पहुंचाया। जवाब में सैफ हसन (4) के जल्दी आउट होने के बाद तंजीद हसन ने टीम को जीत दिलाई।

राणा ने अपने पहले ओवर में फरहान (27) को आउट करते हुए विकेटों का खाता खोला। उन्होंने अपने दूसरे ओवर में शमील हुसैन (4), तीसरे ओवर में माज सदाकत (18), चौथे ओवर में रिजवान (10) और पांचवें ओवर में सलमान आगा (5) को पवेलियन की राह दिखाई। उनकी तेज गति का विपक्षी टीम के बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं दिखा। उन्होंने अपने 7 ओवर में 24 रन देते हुए ये 5 विकेट लिए।

IPL 2026 का धमाकेदार आगाजः शुरुआती 15 दिन के शेड्यूल का ऐलान, जानें पहले मैच में किन 2 धाकड़ टीमों की होगी भिड़ंत

नई दिल्ली(ए.)। क्रिकेट प्रेमियों का लंबा इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। बीसीसीआई ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के शुरुआती 15 दिनों के रोमांचक शेड्यूल की आधिकारिक घोषणा कर दी है। क्रिकेट के इस महाकुंभ का पहला ब्लॉकबस्टर मुकाबला 28 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) और सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के बीच बेंगलुरु में खेला जाएगा। फिलहाल बोर्ड ने 28 मार्च से 12 अप्रैल तक के मैचों का ही कार्यक्रम जारी किया है। पूरा शेड्यूल एक साथ जारी न होने के पीछे एक बड़ी वजह सामने आई है। दरअसल, भारत के चार प्रमुख राज्यों केरल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और असम में आगामी विधानसभा चुनाव होने हैं। अप्रैल महीने में इन चुनावों की तारीखों का ऐलान होना है। सुरक्षा व्यवस्था और मैचों के सुचारू आयोजन को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई ने चुनाव की तारीखें पूरी तरह से साफ होने के बाद ही बाकी बचे हुए आईपीएल शेड्यूल को जारी करने का फैसला किया है। शुरुआती 15 दिनों के भीतर सभी 10 टीमें अपना दमखम दिखाएंगी। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस 29 मार्च को अपने होम ग्राउंड पर कोलकाता नाइट राइडर्स से टकराएगी। वहीं, चेन्नई सुपर किंग्स का पहला मुकाबला 30 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होगा। पंजाब किंग्स अपने घरेलू मैदान

मुल्लांपुर में 31 मार्च को गुजरात टाइटंस से भिड़ेगी, जबकि 1 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स का सामना दिल्ली कैपिटल्स से लखनऊ में ही होगा। क्रिकेट फैंस के रोमांच को दोगुना करने के लिए 4 और 5 अप्रैल को दो 'डबल हेडर' (एक दिन में दो मैच) मुकाबले भी रखे गए हैं। आईपीएल 2026 के इस पहले चरण में देश भर के 10 अलग-अलग वेन्यू पर मैचों का आयोजन किया जाएगा। पहले पांच दिनों के अंदर ही सभी 10 टीमें अपना-अपना पहला मुकाबला खेल लेंगी। इसके बाद 2 अप्रैल से दूसरे राउंड के मुकाबले शुरू हो जाएंगे।

टी-20 विश्व कपः एक संस्करण में इन बल्लेबाजों ने 100+ की औसत से 250+ रन बनाए

नई दिल्ली(ए.)। भारत और श्रीलंका में खेले गए टी-20 विश्व कप 2026 में कई रोचक मैच देखने को मिले। भारतीय क्रिकेट टीम ने अपने सेमीफाइनल और फाइनल मैच में विशाल स्कोर बनाए और इसी क्रम में बल्लेबाजों ने खूब रन बटोरे। इस संस्करण में कुल 8 बल्लेबाजों ने 250 से अधिक रन बनाए। इस बीच टी-20 विश्व कप के एक संस्करण में 100 से अधिक की औसत के साथ 250+ रन बनाने वाले बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं। जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम से इस बार ब्रायन बेनेट ने अविश्वसनीय प्रदर्शन किया। इस युवा बल्लेबाज ने टी-20 विश्व कप 2026 में 6 पारियों में 146.00 की औसत और 134.56 की स्ट्राइक रेट के साथ 292 रन बनाए। इस बीच उन्होंने 97* रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 3 अर्धशतक लगाए। वह अपनी टीम से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। हालांकि, उनकी टीम सुपर-8 में कोई मैच नहीं जीत सकी थी। दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के लिए टी-20 विश्व कप 2016 शानदार बीता था। उस संस्करण में कोहली ने 5 पारियों में 136.50 की औसत और 146.77 की स्ट्राइक रेट के साथ 273 रन बनाए थे।

आईसीसी टी-20 रैंकिंगः ईशान किशन दूसरे स्थान पर पहुंचे, संजू सैमसन को भी हुआ फायदा

नईदिल्ली, (ए.)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने ताजा रैंकिंग जारी की है, जिसमें भारत के ईशान किशन दूसरी रैंक वाले बल्लेबाज बन गए हैं। यह उनके अब तक के करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। किशन को 2 पायदान का फायदा हुआ है। उनके अलावा संजू सैमसन को भी बल्लेबाजी रैंकिंग में फायदा हुआ है। इन दोनों ही विकेटकीपर बल्लेबाजों ने हाल ही में संपन्न हुए टी-20 विश्व कप में उम्दा बल्लेबाजी की थी।

किशन अब 871 रेटिंग अंको के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद हैं। उनसे आगे शीर्ष पर अभिषेक शर्मा (875) बरकरार हैं। इस संस्करण में किशन ने 9 पारियों में 35.22 की औसत और 193.29 की स्ट्राइक रेट के साथ 317 रन बनाए। इस बीच उन्होंने 77 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 3 अर्धशतक लगाए। विकेटकीपर बल्लेबाज ने 18 छक्के और 33 चौके भी लगाए। शीर्ष-10 बल्लेबाजों में तिलक वर्मा 7वें और सूर्यकुमार यादव 9वें स्थान पर हैं। सैमसन ने 18 पायदान की बड़ी छलांग लगाई है और वह 637 रेटिंग अंको के साथ 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सैमसन ने फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 89 रन बनाए थे। उन्होंने टी-20 विश्व कप 2026 में 5 मैच की 5 पारियों में 80.25 की उम्दा औसत और 199.37 की स्ट्राइक रेट से 321 रन बनाए। उनके बल्ले से 3 अर्धशतक निकले और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 97* रन रहा।

रक्षासूत्र गुलाल तिलक और फूलों की होली के साथ मनाया रंगोत्सव

हमारी संस्कृति फाग बसंत एवं होली की उत्सवी संस्कृति है-रत्नेश साहू
गीत संगीत एवं नृत्य से सजे रंगोत्सव और उल्लास में सराबोर हुए दर्शक

नर्मदापुरम (निप्र)। रक्षासूत्र बांधकर, गुलाल तिलक लगाकर एवं फूलों की होली से रंगोत्सव मनाया गया। फाग बसंत एवं होली की उत्सवी संस्कृति के साथ गीत संगीत एवं नृत्य से सजे इस रंग और उल्लास के इस उत्सव का आयोजन सोल फाउंडेशन भारत एवं साथी जनशिक्षण एवं संस्कृति समिति नर्मदापुरम के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नर्मदापुरम के सहयोग से किए जा रहे इस रंगोत्सव में सबसे पहले शिव शक्ति भजन मंडल ने अतर से भीगी होली गीत गाए। इसके उपरांत । ओ पी शर्मा आनंद नामदेव, आदित्य परसाई एवं समूह द्वारा बुंदेली फाग गया। चारु नृत्यभूमि कथक कला केंद्र सीहोर से श्रीमती चारूलता चौरे एवं समूह द्वारा फागुनरासरंग नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी गई। त्रिदेवाशीष नृत्य एवं नाट्य अकादमी लखनऊ की निर्देशक सुश्री तनुजा ओली सनवाल एवं समूह ने होली महारास नृत्य प्रस्तुत किया और दर्शक मंत्रमुग्ध हो नृत्य करने लगे। इसके बाद रेखा दायमा द्वारा होली नृत्य तथा धन्या दायमा और टिशु किरार का राधा कृष्ण नृत्य एवं प्रकृति दायमा का मंगल गाओ नृत्य बहुत सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया। रंगोत्सव के अंतिम प्रस्तुति में राधा कृष्ण भजन मंडल उमरखेड़ी के नवल सिंग पटेल एवं समूह फाग लोकगीत, राई, बुंदेली होली और गारी गायन की प्रस्तुति की दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। सभी के जन सहयोग से ही इस आयोजन को सम्पन्न किया गया कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य शुभम सिंह चौहान, गोपीकांत घोष, बलराम शर्मा प्रमोद शर्मा डॉ मधुबाला वर्मा सीताराम महाराज द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम संयोजक रत्नेश साहू संजय श्रोतिय चैन सिंह मीना प्रेम शंकर मांगरोल मुकेश मालवीय विमल सिंह राजपूत असमादित्य तिवारी, अभिषेक अहिरवार, आकाश शिवहरे नर्मदा प्रसाद हरयाले अजय श्रोती, संजय ररईया एवं आयोजन समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे। कलाकारों के साथ दर्शकों ने मुग्धभाव से होली के इस रंगोत्सव में आनंद लिए।

सीएमओ ने भी स्वीकार किया कि मुखर्जी काम्पलेक्स में सीढ़ी लगाना अवैध है

नगर पालिका को एक बार फिर हटाना है लोहे की सीढ़ी वाला अतिक्रमण

नर्मदापुरम (निप्र)। सतरस्ते पर स्थित मुखर्जी काम्पलेक्स परिसर में टिलवानी परिवार के द्वारा आवासीय परिसर में व्यवसायिक उपयोग करने के लिए मार्ग पर ही लोहे की सीढ़ी लगाकर अतिक्रमण किया गया है। जिसे नगर पालिका ने एक बार हटा दिया था। तब सीढ़ी लगाने के लिए उन्होंने नगर पालिका से अनुमति मांगी थी। नगर पालिका ने दिसंबर में ही सीढ़ी लगाने की अनुमति देने से साफ इंकार कर दिया था। दो माह तक निकली हुई सीढ़ी नीचे रख दी गई। पिछले दिनों रविवार और होली के अवकाश का लाभ लेते हुए मनमानी करते हुए नगर पालिका के आदेश का उल्लंघन करते हुए पुन: सीढ़ी लगाकर अतिक्रमण कर लिया है। इस संबंध में जिन व्यापारियों को सीढ़ी से परेशानी है उन्होंने कलेक्टर की जनसुनवाई तथा मुख्यमंत्री की सीएम हेल्प लाइन में तथा उसकी प्रति नगर पालिका कार्यालय में दे दी है। इसके बाद भी नगर पालिका के पास पर्याप्त अमला होने व अतिक्रमण को हटाने का अधिकार होने के बाद भी तीन चार दिनों से सोचा विचारी ही की जा रही है। जब नगर पालिका की मुख्य अधिकारी हेमेश्वरी पटले से सीढ़ी के संबंध में पूछा गया तो उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि सीढ़ी अवैध तरीके से लगाई गई उनको अधिकार नहीं है। नगर पालिका के द्वारा उसे हटाया जाएगा। इस प्रकार सीएमओ ने भी स्वीकार किया है कि सीढ़ी लगाना अवैध है।

मां कर्मा जयंती का आयोजन 15 मार्च को

नर्मदापुरम(निप्र)। अत्यंत हर्ष का विषय है कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी समस्त तेली साहू समाज, नर्मदापुरम समाज की आराध्य भक्त माता कर्मा देवी जयंती का भव्य आयोजन 15 मार्च को किया जा रहा है।जागरूक नागरिक समाजसेवी केशव साहू ने बताया कि समाज के द्वारा सगुन मैरिज गार्डन मालाखेड़ी में मां कर्मा जयंती के कार्यक्रम पूर्व वर्षों की परंपरा के अनुसार किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस पावन मौके पर समाज के दर्पण और लोकतंत्र के सजग प्रहरी के रूप में पत्रकार साथियों का साहू समाज के वरिष्ठ जनों द्वारा विशेष सम्मान दोपहर 12 बजे किया जाना सुनिश्चित हुआ है।

समेरिटन्स का पूर्व छात्र बना सेना में लेफ्टिनेंट, विद्यालय में किया सम्मान

नियमित अभ्यास और दृढ़ निश्चय ने दिलाई सफलता- क्षणिक रजक

नर्मदापुरम (निप्र)। समेरिटंस विद्यालय के विद्यार्थी सफलता के नित नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। वे अपनी दक्षता और योग्यता के दम पर हर क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने के साथ ही देश और समाज की सेवा कर रहे हैं। समेरिटंस समूह की विशेष सफलताओं की कड़ी में हाल ही में एक चमकदार मोती और जुड़ गया है। विद्यालय के पूर्व छात्र क्षणिक रजक ने अपने परिश्रम के बल पर भारतीय सेना के डोगरा 1 के मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री में लेफ्टिनेंट के पद पर ज्वाइन किया है। विद्यालय के इस होनहार पूर्व छात्र को गुरुवार को विद्यालय में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर डॉ आशुतोष शर्मा ने इसे गौरवपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा कि हमारे विद्यार्थी संहारक क्षेत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहे हैं। प्राचार्य श्रीमती प्रेरणा रावत ने कहा कि जब हमारे बच्चे आगे बढ़ते हैं तो प्रसन्नता व्यक्त करने के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। क्षणिक ने कहा कि मैंने 10 दसवीं से ही अपना लक्ष्य निर्धारित कर लिया था। उसके बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। आप भी अपना लक्ष्य तय करें और परिश्रम में जीत जाएं। एक न एक दिन सफलता अवश्य मिलेगी। विद्यालय परिवार की ओर से उन्हें स्मृति चिह्न भेंटकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम में समन्वयक आरके सिंह, राजेंद्र रघुवंशी भी उपस्थित रहे।

01 अप्रैल से सिवनी मालवा, 5 अप्रैल से इटारसी तथा 8 अप्रैल से सोहागपुर के लिए नहरों से पानी छोड़ने के लिए तिथियां प्रस्तावित

ग्रीष्मकालीन मूंग सिंचाई हेतु जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक संपन्न
अंतिम निर्णय संभागीय जल उपयोगिता समिति की बैठक के उपरांत लिया जाएगा

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर कार्यालय नर्मदापुरम में मंगलवार को कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में ग्रीष्मकालीन मूंग सिंचाई हेतु जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन, उप संचालक कृषि डॉ रविकांत सिंह एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इसी के साथ अन्य जनप्रतिनिधि तथा किसान संघ के पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।बैठक में तवा नहर संभाग सिवनी मालवा के लिए 01 अप्रैल 2026 से, तवा परियोजना संभाग इटारसी से 5 अप्रैल 2026 तथा पिपरिया शाखा नहर संभाग सोहागपुर से 8 अप्रैल 2026 से जल प्रवाह शुरू करने के लिए तिथियां प्रस्तावित की गई।इस दौरान कलेक्टर सुश्री मीना ने समिति के सदस्यों को अवगत कराया कि नहर खोलने की अंतिम तिथि का निर्णय संभागीय बैठक उपरांत संभागायुक्त नर्मदापुरम संभाग कृष्ण गोपाल तिवारी द्वारा लिया जाएगा, जिस पर समिति के सभी सदस्यों ने सहमति व्यक्त की।इस दौरान जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री (ईई) ने तवा जलाशय की वर्तमान जल संग्रहण स्थिति 348.47 मी पर 873 द्रष्ध होने की जानकारी दी।

कांग्रेस आज रसोई गैस की किल्लत को लेकर ज्ञापन सौंपेगी

नर्मदापुरम (निप्र)। नागरिकों की रसोई गैस से संबंधित आ रही समस्याओं को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस के द्वारा आज सायं 4 बजे स्व. पत्रकार प्रशांत दुबे पत्रकार चौक पीपल चौक पर एकत्रित होने के साथ ही जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा। यह बात पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से देते हुए बताया कि एलपीजी की बुकिंग एवं डिलीवरी में आ रही दिक्क़तो पर शासन का ध्यान आकर्षित करने सिलेंडर की उपलब्धता आसान करने एवं कालाबाजारी रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग को लेकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। उन्होंने सभी कांग्रेसियों से अपरान्ह 3.30 बजे पोस्ट आफिस के सामने उपस्थिति देने का आग्रह किया है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com